दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-213 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 5 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

बाल-गोपाल और राधा कृष्ण की वेशभूषा में शामिल हुए नन्हें बच्चे, मुख्यमंत्री ने खिलाया माखन

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता:मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की लीलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें कष्टों को दूर कर मार्ग निकालने की प्रेरणा दी है।

मलखंभ खिलाड़ियों के करतब से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न कला समूहों ने श्रीकृष्ण जन्म, श्रीकृष्ण लीला, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन लीला, कंस वध, गीता उपदेश सहित श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिकाओं का मंचन किया। जबलपुर से आए श्री जुगलकिशोर नामदेव और उनके साथी कलाकारों ने मयूर नृत्य, ब्रज में आनंद उमंग भयो जय हो नंदलाल की, आज ब्रज में होली रे रसिया, श्रीकृष्ण गोबिंद हरे मुरारी जैसे सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे मुख्यमंत्री निवास का वातावरण श्रीकृष्णमय होकर भक्तिरस से सराबोर हो गया।

भव्य तीर्थ के रूप में जीवंत हो रहे प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थानों को भव्य तीर्थ के रूप में विकसित कर जीवंत करने के लिए संकल्पित है। श्रीकृष्ण पाथेय में उज्जैन का सांदीपनि आश्रम, जानापाव, महिदपुर सहित अन्य तीर्थ स्थल शामिल हैं।

भारत विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के अथक प्रयासों से आज भारत विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। हमारी संस्कृति अच्छाई बांटने वाली संस्कृति है। हम इसके वैभव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

सीजेपी कार्यकर्ता के पिता को पीटने वाला

स्वतंत्र हिरासत में

दिल्ली पुलिस ने बुलंदशहर से पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा नीशु आजाद के पिता से मारपीट करने वाले आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया है। पुलिस को उसके बुलंदशहर में होने की इनपुट मिले थे इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास प्लान बनाया और सभी लोग सादे कपड़ों में पहुंचे और उसे दबोच लिया। इससे पहले ये खबर भी आ रही थी कि स्वंत्रत भारद्वाज मौके से फरार हो गया है। उसके हेलमेट पहनकर बाइक से भागने की खबर आ रही थी।

रेप की धमकियों से घर से निकलने में लगता था डर

इससे पहले निशु आजाद के पिता के साथ मारपीट मामले में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर शुक्रवार को दिनभर गहमागहमी रही। इस मामले में पीड़िता निशु आजाद, उनके पिता संजय आजाद, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और वकील ऋषभ रंजन ने मीडिया से बात की और पुलिस से हुई बातचीत की जानकारी दी।

ऐतिहासिक उपलब्धि...श्रीहरिकोटा से सफल प्रक्षेपण

भारत ने अंतरिक्ष भेजा ईओएस-05 उपग्रह

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज ईओएस-05 उपग्रह का आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपण किया। इसरो प्रमुख वी नारायणन समेत कई पूर्व इसरो अध्यक्षों की मौजूदगी में हुआ प्रक्षेपण कई मायनों में ऐतिहासिक है। इसरो के मुताबिक जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के माध्यम से किया गया प्रक्षेपण जीएसएलवी की 19वीं उड़ान है। चार सितंबर को मध्यरात्रि के करीब तीन घंटे बाद 02:55 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित उपग्रह भारत का पहला अत्याधुनिक भू-तुल्यकालिक इमेजिंग सैटेलाइट है। इसरो के मुताबिक ईओएस-05 मिशन का मकसद उप-भू-तुल्यकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित उपग्रह के माध्यम से पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए अहम जानकारी मुहैया कराना है। मध्य रात्रि के करीब 3 घंटे बाद किए गए प्रक्षेपण को देखने के लिए खगोल विज्ञान में रूचि रखने वाले दर्शक बड़ी संख्या में इसरो के सेंटर पर मौजूद रहे। प्रक्षेपण के करीब 22 मिनट बाद मिशन डायरेक्टर ने प्रक्षेपण सफल होने की घोषणा की। इसके बाद इसरो प्रमुख वी नारायणन ने इससे जुड़ी कुछ प्रमुख बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि एक बार जब पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 05 कक्षा में परिचालन में आ जाएगा, तो यह भारत का भू-कक्षा से पहला समर्पित इमेजिंग उपग्रह बन जाएगा, जो हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक डेटा प्रदान करेगा।

आसान नहीं रहा अंतरिक्ष तक का सफर

2021 में असफल रहा था जीएसएलवी-एफ-10/ईओएस-03 मिशन, ईओएस-05 को इसी का रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। करीब पांच साल पहले हुए प्रयास के वक्त उड़ान के 307 सेकंड बाद ही विमान में लगे कंप्यूटर ने मिशन को रद्द कर दिया था। इसरो के मुताबिक 2021 में क्रायोजेनिक अपर स्टेज में खराबी के कारण मिशन विफल हुआ था। मई 2025 में पीएसएलवी-सी61 रॉकेट के माध्यम से भेजा गया ईओएस-09 उपग्रह का प्रक्षेपण भी विफल रहा था। इसरो के मुताबिक मई 2025 का प्रयास मोटर केस के चैंबर प्रेशर में गिरावट के कारण नाकाम रहा था। इसी वर्ष 16 उपग्रहों के साथ प्रक्षेपित पीएसएलवी-सी62 रॉकेट भी मिशन पूरा करने में असफल रहा था।

उपलब्धि पर मिली बधाई

सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बधाई दी। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक और बड़ी छलांग लगाई है। ईओएस-05 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो टीम को हार्दिक बधाई। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। ये भूतुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जाने वाला भारत का पहला इमेजिंग उपग्रह है। इससे बेहतर दृश्य, बहु-स्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल बैंड में उन्नत इमेजिंग की सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत की अंतरिक्ष क्षमताएं नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, जिससे वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में हमारी स्थिति मजबूत हो रही है।

पीएम मोदी ने मेलोनी को बधाई दी

सबसे लंबे समय तक इटली की प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड, लगातार 1413 दिन से सत्ता में

नई दिल्ली/रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर बधाई दी है।मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में मेलोनी को अपनी मित्र बताते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि इटली के लोगों के उनके नेतृत्व पर भरोसे और विश्वास को दिखाती है।उन्होंने कहा कि मेलोनी की दोस्ती भारत और इटली के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम रही है। मोदी ने दोनों देशों के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री ने मेलोनी को आने वाले वर्षों में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने शुक्रवार को लगातार 1413 दिन सत्ता में रहकर इटली में नया रिकॉर्ड बनाया। 1946 में इटली गणराज्य बनने के बाद यह किसी एक कैबिनेट का सबसे लंबा लगातार कार्यकाल है।मेलोनी ने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी की दूसरी सरकार का रिकॉर्ड तोड़ा है। बर्लुस्कोनी की दूसरी कैबिनेट 2001 से 2005 तक 1412 दिन सत्ता में रही थी। जून 2026 में जब नरेंद्र मोदी ने 4399 दिन लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहकर जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा था, तब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी उन्हें बधाई दी थी।

मेलोनी खुश बोलीं- दोस्ती के लिए धन्यवाद

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने देश के द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि इटली की जनता के उनके नेतृत्व पर भरोसे और विश्वास को दिखाती है। उन्होंने मेलोनी को अपनी मित्र बताते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। इसके बाद पीएम मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया और भारत-इटली के रिश्तों को और मजबूत करने की बात कही।

चोरी गए डीआई पाइप व आइशर को निसरपुर पुलिस ने जप्त किया

02 आरोपी गिरफ्तार 10.90 लाख का माल जप्त

धार। फरियादी संदीप पिता अशीत बाकुली निवासी गुजरपुरा जिला हावड़ा पश्चिम बंगाल हाल मुकाम मनावर ने थाना कुक्षी चौकी निसरपुर पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि खलघाट से डही तक पेयजल के लिए पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। ग्राम निसरपुर स्थित लल्ला ढाबा के पास बड़वानी रोड पर डीआई के 9,300 एमएम के 5.5 मीटर लंबे लगभग 60 पाइप रखे गए थे जिनमें से 30 अगस्त की रात अज्ञात व्यक्तियों ने 09 डीआई पाइप कीमत करीब एक लाख नब्बे हजार चोरी कर लिए है।फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कुक्षी में अपराध क्रमांक 380/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जाँच में लिया गया। कुक्षी टीआई दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में जाँच के दौरान चोरी गए डीआई पाइपों से भरा आइशर एमपी-13-जीबी-5190 घटना स्थल से करीब 01 किलोमीटर दूर झाड़ियों में छिपाकर रखा हुआ।

मिला जिसे पुलिस ने जप्त किया।वाहन स्वामी उज्जवल निनामा को तलब कर पूछताछ करने पर वाहन को आनंद पिता मोतिलाल यादव निवासी राजवाड़ा चौक गवली मोहल्ला बेटमा को किराये से देना बताया।आनंद यादव व उसके ड्रायवर विनायक पिता समंदर चौधरी निवासी बियानी गार्डन बेटमा से पूछताछ करने पर उन्होंने कुछ लोगों के साथ मिलकर निसरपुर से आइशर वाहन में डीआई पाइप भरवाकर चोरी करना कबूला है।पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट से पीआर लिया है।पुलिस रिमाण्ड के दौरान घटनाओं को लेकर पूछताछ जारी है।

कैंसर से जंग में नई रणनीति : इलाज सस्ता करने से लेकर स्कूलों तक जागरूकता की दस्तक

मुंबई के टाटा मेमोरियल सेंटर की पहल–महानगर से बाहर पहुंचेगा किफायती कैंसर उपचार, बीमारी की रोकथाम में बच्चों को बनाया जाएगा संदेशवाहक

डॉ.नवीन आनंद जोशी

मुंबई। कैंसर के खिलाफ लड़ाई अब केवल अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित रखने की रणनीति नहीं है। इलाज के खर्च का बोझ कम करने, मरीजों को उनके घर के नजदीक उपचार उपलब्ध कराने और बीमारी के प्रति समाज की सोच बदलने की दिशा में टाटा मेमोरियल सेंटर एक व्यापक मॉडल पर काम कर रहा है। मुंबई से उठ रही यह पहल अब देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंचने की तैयारी में है।

टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ. सुयश कुलकर्णी के अनुसार आने वाले समय में कैंसर उपचार को अफोर्डेबल कॉस्ट पर उपलब्ध कराने का प्रयास मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा। नासिक घाटी, भुवनेश्वर और पंजाब सहित दूसरे क्षेत्रों में भी कैंसर मरीजों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टाटा मेमोरियल का 'सभी के लिए किफायती कैंसर उपचार तक पहुंच ' कार्यक्रम पहले ही जिला स्तर पर कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग और उपचार की क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह परियोजना महाराष्ट्र के अलावा पंजाब, ओडिशा समेत कई राज्यों तक विस्तारित हो चुकी है।

अस्पताल के अधीक्षक विनीत सामंत ने बताया कि 1966 में टाटा मेमोरियल सेंटर के गठन के बाद से उपचार के साथ शोध और शिक्षा इसकी मूल कार्यधारा का हिस्सा रहे हैं। आज क्लीनिकल रिसर्च और जागरूकता पर भी समानांतर रूप से काम हो रहा है। लेकिन कैंसर की लड़ाई में सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, बल्कि समय है। जानकारी के अभाव में अनेक लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर टाल देते हैं। जब तक वे विशेषज्ञ अस्पताल पहुंचते हैं, बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। यही वह बिंदु है जहां टाटा की रणनीति इलाज से आगे बढ़कर शीघ्र पता लगाने की रोकथाम और की ओर जाती दिखाई देती है।टाटा मेमोरियल की आधिकारिक परियोजना भी जिला स्तर पर प्रारंभिक पहचान, स्क्रीनिंग और रोकथाम को मजबूत करने तथा समुदाय में कैंसर और तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करने को प्रमुख लक्ष्य मानती है।

बच्चे बनेंगे कैंसर जागरूकता के दूत

डॉ. शालिनी पिम्पले के अनुसार कैंसर की रोकथाम में समाज की आदतों और जीवनशैली में बदलाव बेहद महत्वपूर्ण है। अनियमित दिनचर्या, लगातार तनाव, मोटापा और शराब जैसे कारक जोखिम को बढ़ाने में भूमिका निभा सकते हैं।इसी सोच को घर-घर पहुंचाने के लिए अब 8 से 15 वर्ष की उम्र के स्कूली बच्चों को वीडियो के माध्यम से कैंसर के प्रमुख कारकों और बचाव की जानकारी देने की योजना है। तर्क सीधा है—बच्चा केवल सीखता नहीं, वह घर में सवाल भी पैदा करता है। परिवार में स्वास्थ्य को लेकर संवाद शुरू करने की क्षमता उसके पास होती है। इसीलिए बच्चों को जागरूकता की धुरी बनाने की यह पहल भविष्य की पीढ़ी को बीमारी से लड़ने के बजाय उससे बचने की संस्कृति सिखाने की कोशिश है।

डॉ. पिम्पले ने यह भी बताया कि आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और उनसे निर्मित औषधियों की कैंसर के संदर्भ में संभावित भूमिका पर काम चल रहा है और इसके परिणाम सामने आने की प्रतीक्षा है। ऐसे प्रयासों को वैज्ञानिक शोध और प्रमाण के आधार पर आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में किसी भी उपचार पद्धति की प्रभावशीलता का मूल्यांकन ठोस चिकित्सकीय प्रमाणों से ही किया जा सकता है।

टाटा मेमोरियल की दिशा अब केवल 'बड़े अस्पताल में इलाज' की नहीं, बल्कि जहां मरीज है, वहीं बेहतर कैंसर सेवा पहुंचाने की है। संस्था का किफायती कैंसर केयर कार्यक्रम इसी उद्देश्य से जिला स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और कैंसर स्क्रीनिंग की क्षमता बढ़ाने पर जोर देता है। पंजाब में टाटा मेमोरियल से जुड़े केंद्रों में किफायती कैंसर उपचार की व्यवस्था पहले से संचालित है। इसी बदलती तस्वीर को करीब से समझने के लिए प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, मध्य प्रदेश के दल ने टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल का दौरा किया। अस्पताल की व्यवस्था, उपचार, शोध और जन-जागरूकता के प्रयासों को समझने का यह अवसर इस बात की ओर संकेत करता है

कि कैंसर के खिलाफ अगली बड़ी लड़ाई केवल ऑपरेशन थिएटर में नहीं, बल्कि स्कूल, परिवार, गांव और समाज के बीच लड़ी जाएगी ।सवाल अब यह नहीं कि कैंसर का इलाज कितना महंगा है

असली सवाल यह है कि मरीज इलाज तक कितनी जल्दी पहुंचता है। टाटा मेमोरियल की नई पहल इसी दूरी को कम करने की कोशिश है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव सत्यनारायण मंदिर में आज

सतना। नगर के हृदय स्थल चौक बाजार सतना में स्थापित 1008 श्री सत्यनारायण मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज शुक्रवार 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। भगवान का भव्य श्रृंगार, भजन मंडली द्वारा सुंदर कांड एवं भजन का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया जायेगा और भगवान का जन्मोत्सव रात्रि 12 बजे मनाया जायेगा। महंत सुशील कुमार पाण्डेय द्वारा भगवान की आरती एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा। मंदिर में रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से भव्य सजावट की गई है। मंदिर के समीप निवासी पुरुषोत्तम अग्रवाल भटनवारा वाले, सचिन तिवारी, हर्षित अग्रवाल, सुरेश पाण्डेय, शुभदीप पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, हर्षा, अमृत, संजय सहित सभी जनों का मंदिर में सहयोग प्राप्त होता है।

मुस्लिम समाज ने भी बढ़ाए मदद के हाथ

सतना। क्षेत्र में आई बाढ़ ने कई परिवारों के जीवन को मुश्किलों से भर दिया है। किसी का आशियाना उजड़ गया, किसी का चूल्हा बुझ गया तो किसी परिवार के सामने दो वक्त के भोजन का संकट खड़ा हो गया। ऐसे कठिन और पीड़ादायक समय में सतना के मुस्लिम समाज के युवाओं ने अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए समाजसेवी जिया बेग के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए राहत सामग्री जुटाई है। इस दौरान के चित्रकूट, बिरसिंहपुर, जैतवारा, तुर्कहा, मझगवां में जाकर कच्चे अनाज के पैकेट वितरित किए गए। इस नेक कार्य में बजमी अहमद बाबू, शानू भाई, जहीर अहमद, शमीम खान बबलू, बच्चू, मुमताज बिहारी, हैदर अली, अयान खान, आरिफ, महफूज, फखरुद्दीन का सहयोग रहा।

अल बरकात वेलफेयर सोसायटी द्वारा तकरीर का आयोजन 8 का

सतना। अल बरकात वेलफेयर सोसायटी के सदर जाहिद खान ने जानकारी देते हुए बताया नजीराबाद सतना की बरकाती मस्जिद में बिलग्राम से सय्यद हुसैन अनस वास्ति और भिलवाड़ा से मुफ्ती अशरफ जिलानी अजहरी तकरीर के लिए 8 सितम्बर को आएंगे। हाजी परवेज नवाज खान सरपरस्त, सोसायटी सदर जाहिद खान, एम एच सिद्दीकी, सिक्रेटरी साबीर खान, जुनैद कादरी, खंजाची शाहिद खान, आसिफ खान ,इनायत खान, शमीम उल्ला खान, सलमान इंफ्तेखारी, इकराम अंसारी, जानी मंसूरी, फिरोज तोहिद, अशरफ आकिब मुन्नू बरकाती मस्जिद इमाम आरिफ रजा की देख रेख में ईद मिलादुन्नबी के जलसे का कार्यक्रम किया जायेगा।

वैश्य महासम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह 6 को

सतना। वैश्य महासम्मेलन द्वारा रीवा संभाग के रीवा, सतना एवं मैहर जिलों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह आगामी 6 सितंबर, रविवार को प्रात: 11:30 बजे आयोजित होगा।

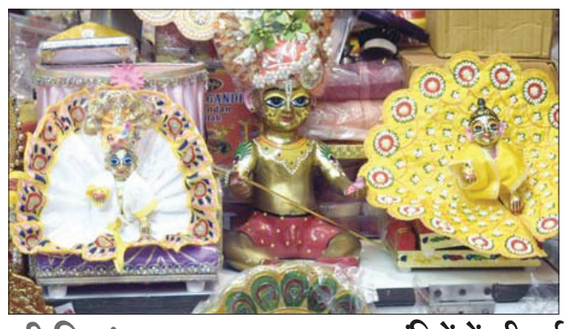

[पर्व] दुकानों में पोशाक, झूले, मोर पंख व मुकुट की रही डिमांड

जन्माष्टमी आजः मनाया जाएगा भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

नगर संवाददाता, सतना।

रक्षाबंधन के बाद अब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की तैयारी शुरू हो गई हैं। गुरूवार को जन्माष्टमी को लेकर बाजार सज गया है। इस साल बाजार में लड्डू गोपाल के श्रृंगार के लिए खास रत्नों की पोशाक, पगड़ी, मुरली और झूले आए हैं। दुकानदार ग्राहकों के लिए कान्हा के श्रृंगार की सामग्री एक साथ उपलब्ध करा रहे हैं। घरों के साथ मंदिरों में लड्डू गोपाल के जन्मोत्सव को मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं कई मोहल्लों में मटकी फोड़ प्रतियोगिता की रूपरेखा बनाई जा रही है।

मंदिरों में वृंदावन से आई पोशाक

जन्माष्टमी का पर्व 4 सितम्बर को मनाया जाएगा। जिसको लेकर बिहारी जी मंदिर, केशवदास मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, श्री प्रणामी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। कई मंदिरों में भगवान के लिए जन्माष्टमी पर पहनाने के लिए वृंदावन से पोशाक और मोर पंख जड़ित मुकुट मंगाया गया है। मंदिरों में पोशाक के लिए पहले से ऑर्डर देकर बनाया जा रहा है।

रत्न जड़ी पोशाक और मोरपंख की मांग

इस बार जन्माष्टमी के लिए लड्डू गोपाल को विशेष पोशाक तैयार की गई है। दुकानदार ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व के चलते भगवान की पोशाक की बिक्री शुरू हो गई है। पोशाकों की कीमत 20 रुपए से शुरू होकर 2000 से अधिक तक है। वहीं झूले की कीमत 100 रुपए से शुरू है। इस बार मोरपंख लगी और नग जड़ी हुई विशेष पोशाक बनाई गई हैं, जो ग्राहकों को पसंद आ रही हैं। वहीं मुकुट और पगड़ी भी नग लगाकर बनाई गई हैं।

मंदिरों में की गई विशेष तैयारी

जन्माष्टमी के लिए मंदिरों में भी खास तैयारियां की जा रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर मंदिरों को सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए विशेष पूजा-अर्चना की व्यवस्था भी की जा रही है। इस बार जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। पं. संजय पाठक के अनुसार, जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र और मध्यरात्रि के समय माना जाता है। इस बार 4 सितंबर की रात 12 बजे जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी की तिथि 4 सितंबर की रात 2.25 बजे शुरू होकर 5 सितंबर की रात 12.13 बजे तक रहेगी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना गया है।

बारिश रुकी तो बाजार में बढ़ी रौनक

गुरूवार को दिनभर बारिश थमी रही जिस वजह से लोगों को थोड़ी राहत मिली। इसका असर जन्माष्टमी की खरीददारी पर नजर आया। दिनभर बाजार में रौनक रही। बाजार में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और जन्मोत्सव की झलक साफ दिखाई दे रही है। जन्माष्टमी को लेकर दुकानों पर बाल कृष्ण की आकर्षक प्रतिमाएं, तस्वीरें, बांसुरी, मुकुट, बाल लला के सुंदर कपड़े, श्रृंगार सामग्री एवं भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ी विभिन्न वस्तुएं उपलब्ध हैं। इन आकर्षक सामानों से सजा बाजार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। श्रद्धालु जन्माष्टमी के अवसर पर अपने घरों में बाल गोपाल की विशेष पूजा एवं सजावट की तैयारी में जुटे हैं।

इस्कॉन मंदिर में मनाया जाएगा भव्य जन्माष्टमी

अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन मंदिर) पन्ना रोड सतना के तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर प्रभारी भागवत दास ने बताया कि जन्माष्टमी कार्यक्रम 04 सितंबर को बड़ी दिव्यता और भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है द्य जन्माष्टमी के दिन सुबह से भक्तों के दर्शनार्थ भगवान श्रीश्री राधा माधव इस्कॉन मंदिर के पट खुले रहेंगे। जन्माष्टमी पर मंदिर में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। शाम 6.30 से रात्रि 12.00 बजे तक संध्या आरती , संकीर्तन , कलश अभिषेक पूजा -अर्चना का सांस्कृतिक गतिविधियां , महाभिषेक और महाआरती का कार्यक्रम अनवरत चलता रहेगा। रात्रि 9.30 से 10.30 बजे तक प्राणेश्वर प्रभुजी के द्वारा जन्माष्टमी पर विशेष प्रवचन दिया जाएगा। जन्माष्टमी के दूसरे दिन श्रील प्रभुपाद व्यास पूजा का कार्यक्रम शाम 5 बजे से आयोजित किया जाएगा।

विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न

सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का किया गया सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन सतना की मासिक बैठक 3 सितंबर को श्रम कल्याण केंद्र प्रेम नगर सतना में आयोजित की गई। बैठक में पेंशनरों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा हुई एवं कैशलेस मेडिक्लेम के संबंध में हो रही परेशानियों से सभी ने अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन बीपी पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक एमजी सक्सेना ने की। अवसर पर श्री सक्सेना ने सभी सदस्यों को एकजुट रहने एवं अपने अधिकारों के लिए सजग रहने की सलाह दी। इस अवसर पर एके सिंह बघेल व विपिन श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इनका हुआ सम्मान

बैठक में अगस्त माह में शहर संभाग सतना से सेवानिवृत हुए कर्मचारी योगेंद्र गुप्ता, ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत हुए राम चरण चौधरी एवं रामसुंदर वर्मा को माल्यार्पण कर साल श्रीफल से सम्मानित किया गया। एवं सभी के उज्जवल भविष्य एवं सुखमय जीवन की उपस्थित सभी ने कामना की एवं उन्हें बधाई दी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संगठन के संरक्षक एमजी सक्सेना, बीपी पटेल, हरीश श्रीवास्तव, संतोष कुमार उरमलिया, मोहम्मद सलीम, पवन खरे, अनिल सक्सेना, राजकुमार वर्मा, अशोक खरे, संत कुमार श्रीवास्तव, चंद्रशेखर सोनी, ओ पी नामदेव, हरि प्रसाद यादव, यश के निगम, अशोक निगम, यश के खरे आदि उपस्थित थे।

सिन्धु विकास समिति 5 को करेगी शिक्षको का सम्मान

सतना। समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति सर्वपल्ली डॉ: राधाकृष्णन जी के जन्मदिन शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर शनिवार को प्रात: 9 बजे सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में शिक्षक सम्मान समारोह श्रीमती किरण डिगवानी डायरेक्टर डॉ: मोनिका खूबचंदानी श्रीमती रोशनी मनवानी (समाजसेवीका) श्री गुरमुख पंजवानी (समाजसेवी) की गरिमामय उपस्तिथि मे आयोजित किया गया है। संस्था के संरक्षक श्रीचंद मनवाणी गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी महामंत्री घनश्याम मंघरानी ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी संजय वाधवानी महेश रावलानी दिलीप सोनी गंगाराम सचदेव रंजीत सेनानी अमित कामरानी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी कमल पुरस्वानी ने सभी सदस्यों एवं समाज के सम्मानीयगणों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णनगर में जन्माष्टमी पूर्व कार्यक्रम का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए कृष्णनगर सतना में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पूर्व एक भव्य एवं आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मार्गदर्शक मणिकांत माहेश्वरी, व्यवस्थापक प्रदीप ताम्रकार, प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे, प्रधानाचार्य, आचार्यगण एवं दीदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बालकृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सज.धजकर भाग लिया। नन्हे बालकृष्णों की आकर्षक वेशभूषा एवं मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन उनके आदर्शों एवं बाल लीलाओं से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की गईं। विद्यालय के मार्गदर्शक एवं उपस्थित अतिथियों ने भैय-.बहनों का उत्साहवर्धन करते हुए श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा संस्कार युक्त शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण रहा। विद्यालय परिवार ने हर्षोल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पूर्व बेला में मनाते हुए सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

चित्रकूट बाढ़ आपदा राहत में सतना सीमेंट ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

जिला प्रशासन को सीआरएस मद से राहत सामग्री उपलब्ध कराई

नगर संवाददाता, सतना।

बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड, यूनिट सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा चित्रकूट बाढ़ आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता एवं राहत कार्यों के लिए जिला प्रशासन को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। कंपनी द्वारा 100 नग फावड़े, 100 नग बेलचे, 400 पैकेट खाद्य सामग्री, 100 नग कंबल एवं 360 नग पानी की

बोतलें ट्रस्क मद के अंतर्गत प्रदान की गई। राहत सामग्री अपर कलेक्टर श्री विकास सिंह ने प्राप्त की। इस अवसर पर सतना सीमेंट की ओर से एडमिन हेड श्री राघवेंद्र सिंह एवं एडमिन विभाग से श्रीकांत द्विवेदी उपस्थित रहे।

पूर्व में भी किया गया था सहयोग

उल्लेखनीय है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कंपनी द्वारा पूर्व में भी 100 नग फावड़े, 100 नग तगाड़ी, 10 किलो राशन के 200 पैकेट एवं 10 नग तिरपाल जिला प्रशासन को प्रदान किए जा चुके हैं। सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा आपदा की इस घड़ी में जिला प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

रोटरी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए वितरित की खाद्य सामग्री

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना द्वारा चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री एवं हाइजीनिक किट का वितरित किया पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि चित्रकूट में बाढ़ की विभीषिका ने चित्रकूट मझगंवा के रहवासियों के जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है किसी का आशियाना उजड़ गया किसी का चूल्हा बुझ गया तो किसी परिवार के सामने दो वक्त के भोजन का संकट खड़ा हो गया तो किसी का व्यापार खत्म हो गया ऐसे कठिन और पीड़ा दायक समय में रोटरी क्लब सतना द्वारा चित्रकूट,मझगवां बस्ती,चितहरा,बुंदेलापुर पिंडरा आदिवासी बस्ती पुरानखेर गाँव पहुंचकर 550 नग खाद्य सामग्री एवं हाइजीनिक किट का वितरण तहसीलदार मणिराज सिंह बागरी नायब तहसीलदार सुदामा कोल,पटवारी बृजेश निगम आशीष सिंह सरपंच पद्मरंजन मिश्रा उमेश सिंह संजय मिश्रा अंबिका त्रिपाठी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष नितेश बड़ेरिया, कैलाश अग्रवाल, हरिओम गुप्ता कुशाग्र उपस्थित थे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे भाजयुमो जिलाध्यक्ष यश यादव

नगर संवाददाता, सतना।

भाजयुमो के जिला अध्यक्ष एडवोकेट यश यादव ने अपने ताऊ स्व लक्ष्मी यादव के सेवा भाव से प्रभावित होकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रियता अपनी टीम के साथ बनाए हुए हैं। जिले के कई स्थानों पर जहां आवश्यकता समझी जा

रही है वहां पर नर सेवा ही नारायण सेवा के भाव से निरंतर राहत काकिया जा रहा है। इसी भाव से गुरूवार को भोजन और आवश्यक समग्री का वितरण कोटर क्षेत्र के कुआं, सोहास आदि स्थानों में वितरण किया गया। इस दौरान रत्नेश यादव, दीपेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रियांक त्रिपाठी, अविनाश यादव रेशु, केके मिश्रा, रमेश यादव, समीर सिंह, अतुल सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

समाजसेवियों ने लिया बाढ़ पीड़ितों की मदद का संकल्प

सतना। शहर के युवा समाजसेवी एवं ब्राह्मण एकता समन्वय समिति के संरक्षक रत्नाकर चतुर्वेदी 'शिवा' एवं प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा द्वारा सतना विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गाँव रगौली, सोहास आदि का दौरा किया गया। वहाँ के बाढ़ पीड़ितों को भोजन के पैकेट एवं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नगद सहायता राशि प्रदान की गई।

चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों के बच्चों के लिए सुदर्शन पब्लिक स्कूल ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

नगर संवाददाता, सतना।

चित्रकूट क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित बच्चों की सहायता के लिए सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल की ओर से सहयोग प्रदान किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा 1,000 कॉपियां एवं 260 पेन बच्चों के लिए उपलब्ध कराए गए। विद्यालय की ओर से यह सामग्री जिला शिक्षा कार्यालय में जमा कराई गई, ताकि इसे बाढ़ पीड़ित एवं जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाया जा सके। विद्यालय परिवार ने मानवता एवं सामाजिक

जिम्मेदारी का परिचय देते हुए बच्चों की सहायता के लिए अपना योगदान दिया।

[आपदा] बाढ़ से जिले में लगभग 10,000 परिवार प्रभावित होने का अनुमान

प्रभावितों को अधिक से अधिक सहायता दिलाने का प्रयास जारी : गणेश सिंह

सर्वे पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी नुकसान की रिपोर्ट

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। सतना सांसद गणेश सिंह के अनुसार चित्रकूट, मझगवां, कोठी, जैतवारा, बिरसिंहपुर, रघुराजनगर, सतना शहर और कोटर तहसील में चल रहे सर्वे के आधार पर प्रारंभिक अनुमान में करीब 9,500 से 10,000 परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हालांकि सर्वेक्षण का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है, इसलिए प्रभावित परिवारों की संख्या में कमी-बढ़ोतरी संभव है। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक

प्रभावित परिवार के नुकसान का आकलन गंभीरता से किया जा रहा है। संपत्ति, फसल और दुकानों को हुए नुकसान का अलग-अलग सर्वे किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद इसकी समेकित रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी और बाढ़ पीड़ितों के लिए अधिक से अधिक आर्थिक एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं चित्रकूट पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा ले चुके हैं और उनके निर्देशानुसार प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है। सांसद ने बाढ़ पीड़ित परिवारों से अपील की कि वे सर्वे टीम को अपने नुकसान की सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वास्तविक क्षति का आकलन शासन के समक्ष रखा जा सके।

500 से अधिक परिवारों को राहत सामग्री वितरित

बाढ़ प्रभावित चित्रकूट क्षेत्र में राहत सामग्री वितरण का सिलसिला भी जारी है। सांसद गणेश सिंह ने बताया कि अनुसुइया मोड़ के पास मोहनदास के आश्रम, टाटी घाट के प्रभावित संतों, आरोग्य धाम, प्रमोदवन, क्योंटरा और लोसरिहा की बस्तियों में बड़ी संख्या में प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न, सूखा अनाज, कपड़े तथा घर में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस दौरान 500 से अधिक परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई गई।

आज भी जारी रहेगा राहत वितरण

जिन बस्तियों में गुरुवार को राहत सामग्री का वितरण नहीं हो सका, वहां शुक्रवार को भी खाद्यान्न एवं आवश्यक सामग्री पहुंचाई जाएगी। सांसद ने बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल और भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष प्रबल श्रीवास्तव के नेतृत्व में शेष प्रभावित बस्तियों में राहत सामग्री वितरित की जाएगी।

सांसद ने सहयोगी संस्थाओं का जताया आभार

इस अवसर पर मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह, विंध्य चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, पुष्पेंद्र द्विवेदी, प्रबल श्रीवास्तव, साधना पटेल, मनोहर वाधवानी, मनोज कटारे, हिमांशु अरोरा, अभिषेक जैन, अमित अग्रवाल, जेठानंद वधवानी, कमल मंगनानी, राजेंद्र अग्रवाल, गणेश वधवानी, दीपक चांदनी, छवि त्रिपाठी, कमलेश पटेल, दादू द्विवेदी, दीपू द्विवेदी, सुरेश बसानी, प्रकाश वलेचा, विकास सुखेजा, जैकी छाबड़िया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की मदद के लिए पूर्व सैनिक संगठन ने बढ़ाया सेवा का हाथ

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में लगातार बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच चंद्रशेखर आज़ाद पूर्व सैनिक संगठन, सतना ने बाढ़ पीड़ितो के लिए 5 दिनों से लगताराहत भोजन सामग्री पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की 3 सितंबर को बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र ग्राम रगौली पहुच कर जरूरत मंद लोगो को भोजन के पैकेट एवं कपड़े बाटने का कार्य किया गया। संगठन के सदस्यों का कहना है कि पूर्व सैनिकों के लिए सेवा केवल सैन्य जीवन तक सीमित नहीं है पूर्व सैनिकों की सेवा भावना सैन्य जीवन के बाद भी समाज के प्रति

निरंतर बनी रहती। इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि संगठन केवल अपने स्तर पर राहत सामग्री तैयार करने तक सीमित नही है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों के साथ समन्वय स्थापित कर राहत को सही स्थान तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि राहत कार्य किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि पूरे संगठन परिवार की सामूहिक संवेदना, एकता, सहयोग और सेवा भावना का परिणाम है। संगठन के सदस्य अपनी क्षमता के अनुसार समय, श्रम, संसाधन और सहयोग देकर इस अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। प्रशासन के द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के बाद संगठन के द्वारा राहत अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्रशासन के समन्वय से सामग्री चित्रकूट भेजकर यह संदेश दिया कि जहां जरूरत होगी, वहां पूर्व सैनिक सेवा के लिए खड़े मिलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

संगीत विषय पर पुष्पेन्द्र को मिली पीएचडी उपाधि

रीवा। संगीत विषय शोध करने पर शोधार्थी पुष्पेन्द्र कुमार द्विवेदी को शोध की उपाधि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई। उनके शोध का शीर्षक ''बघेलखण्ड के लोक संगीत में नव प्रयोगात्मक शैलियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' था। श्री द्विवेदी ने अपना शोध कार्य डॉ. देवाशीष बनर्जी विभागाध्यक्ष (संगीत) शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। आपने शोध कार्य में लोक संगीत के मूर्धन्य गायकों एवं नवगीतकारों के गीतों को अपने शोध कार्य में समविष्ट किया एवं उनके सांगीतिक योगदानों को रेखांकित करने का कार्य किया। यह शोधकार्य पिता हरिश्चन्द्र द्विवेदी एवं माता श्रीमती उर्मिला द्विवेदी के आशिर्वाद से सम्पूर्ण हो सका। शोध कार्य में धर्मपत्नी श्रीमती निहारिका गौतम एवं पुत्र स्वरांगन द्विवेदी टीआरएस प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी एवं विभागाध्यक्ष संगीत डॉ. नागेश कुमार त्रिपाठी का प्रेरणात्मक सहयोग रहा। श्री द्विवेदी की इस सफलता पर डॉ. झूमा बनर्जी, डॉ. अमोल बटरोही, डॉ.राजकुमार शर्मा, डॉ राजकिशोर मिश्र, सत्येन्द्र सेंगर, अमित सोनी, लक्ष्मी तिवारी, बृजेश तिवारी, उपेन्द्र द्विवेदी आदि ने बधाई एवं शभकामनायें प्रेषित की। पुष्पेन्द्र ने अपनी सफलता का श्रेय अपने बाबा स्व. रामकुमार द्विवेदी, दादी स्व. लक्ष्मीबाई द्विवेदी, माता-पिता सहित अपने गुरूजन,परिजनों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सोहागी पहाड़ में डिवाइडर से टकराकर पलटा टैंकर, चालक हताहत

रीवा। सोहागी घाटी में बुधवार रात एक सीमेंट लोड टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए प्रयागराज ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी बताया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे सीमेंट लोड टैंकर घाटी से नीचे की ओर जा रहा था। इसी दौरान टैंकर डिवाइडर से टकरा गया और अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के बाद चालक केबिन के अंदर फंस गया। सूचना मिलने पर सोहागी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद चालक को क्षतिग्रस्त केबिन से बाहर निकाला गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे उपचार के लिए प्रयागराज भेजा गया। गनीमत रही कि हादसे के दौरान टैंकर की चपेट में कोई अन्य वाहन नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति रही।

आज आयोजित होगा भव्य श्रीकृष्ण पर्व

रीवा। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रीवा के सहयोग से जिला स्तरीय भव्य 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन 4 सितंबर 2026 को शाम 7 बजे नगर निगम टाउन हॉल, रीवा में किया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को संगीत, लोकगायन, नृत्य और भक्ति की विभिन्न कला विधाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत बघेली लोकगायन की प्रस्तुति से होगी।

बाढ़ की मार से जूझ रहे कई गांव

ग्रामीणों की पीड़ा लेकर कलेक्टर से मिलीं पूर्णिमा तिवारी

- एसडीएम तहसीलदार को त्वरित कार्रवाई के निर्देश
- नदी किनारे बसे दर्जनों गांवों तक संकट

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले में लगातार बारिश और नदियों के उफान के चलते जवा जनपद क्षेत्र के कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं खेत और फसलें पानी में डूब गई हैं तो कहीं घरों और रास्तों में पानी भरने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित है। इस मुश्किल घड़ी में ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा तिवारी ने कलेक्टर महोदय से मुलाकात कर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य की मांग की। श्रीमती तिवारी ने अपने क्षेत्र के सिरमौर विधानसभा अंतर्गत जवा जनपद के बाढ़ प्रभावित गांवों की स्थिति को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कोनी, गढ़ेहरा, चांद, जनकहाई, नीवा, गोहटा, नगमा, सितलहा, बरहटा, लूक, खरपटा, रौली, गाड़ा-137, कटांगी, खटिका, बसुआर, देवरी, भनिगवां सहित नदी किनारे एवं अन्य प्रभावित गांवों में ग्रामीणों की समस्याओं का उल्लेख किया गया। इसी बाढ़ के बीच कुरैली गांव की महिलाएं बाजार करने अतरैला आई थीं। बाजार से वापस लौटते समय बाढ़ का पानी बढ़ जाने के कारण वे रास्ते में फंस गईं और फिलहाल देउखर में रुकी हुई हैं।

इन महिलाओं के बच्चे और परिवार गांव में हैं और महिलाएं उनसे दूर हैं। ऐसे समय में परिवार से बिछड़कर सुरक्षित स्थान पर रुकना उनके लिए बेहद भावुक और चिंता का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों की इस परेशानी की जानकारी जैसे ही प्रशासन तक पहुंची, मामले को गंभीरता से लिया गया। श्रीमती पूर्णिमा तिवारी द्वारा बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों की समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखे जाने के बाद कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को आवश्यक निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बाढ़ में फंसे लोगों को एनडीआरएफ की मदद से जल्द से जल्द सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने तथा जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर एवं आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखते हुए जरूरत के अनुसार राहत और बचाव कार्य करने की व्यवस्था की जा रही है।

फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित गांवों तक राहत पहुंचाना बड़ी प्राथमिकता

श्रीमती पूर्णिमा तिवारी ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में केवल कुरैली की महिलाओं की समस्या ही नहीं, बल्कि जवा जनपद के अनेक बाढ़ प्रभावित गांवों की सामूहिक समस्या को प्रशासन के सामने रखा। उन्होंने मांग की कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक गांव में प्रशासन की टीम पहुंचे और ग्रामीणों को भोजन, राहत सामग्री, स्वास्थ्य सुविधा तथा सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। फिलहाल सबसे बड़ी प्राथमिकता बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित गांवों तक राहत पहुंचाना है। कुरैली की महिलाओं की सुरक्षित घर वापसी से लेकर कोनी, गढ़ेहरा, चांद, जनकहाई, नीवा, गोहटा, नगमा, सितलहा, बरहटा, लूक, खरपटा, शेली, गाड़ा-137, कटाई, धरिया, बसुआर, देवरी और भनिगवां सहित सभी प्रभावित गांवों के ग्रामीणों तक राहत पहुंचाने की दिशा में प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है।

सादगी से मनाई जाएगी स्व. श्रीनिवास तिवारी की 101वीं जयंती

- 17 को अमहिया स्थित निज निवास पर श्रद्धांजलि सभा व संगोष्ठी का आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

अत्यधिक वर्षा के कारण रीवा शहर सहित पूरा जिला बाढ़ की विभीषिका से प्रभावित हुआ है, बाढ़ एवं अतिवृष्टि से जिले में व्यापक जन-धन एवं संपत्ति की क्षति हुई है। इस प्राकृतिक आपदा को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्रीनिवास तिवारी की 101वीं जयंती इस वर्ष अत्यंत सादगीपूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय आयोजन समिति द्वारा लिया गया है। स्व. श्रीनिवास तिवारी की 101वीं जयंती के अवसर पर 17 सितम्बर 2026 को सुबह 11 बजे उनकी प्रतिमा मे माल्यार्पण करके दोपहर 12 बजे से अमहिया स्थित उनके निज निवास पर श्रद्धांजलि सभा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित जन स्व. श्रीनिवास तिवारी के व्यक्तित्व, कृतित्व, सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम की आयोजिका स्व. श्रीनिवास तिवारी की पौत्रवधू डॉ. अरुणा विवेक तिवारी 'बाबला' पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी विधानसभा सिरमौर ने रीवा संसदीय क्षेत्र के समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों, कांग्रेसजनों एवं स्व.श्रीनिवास तिवारी के शुभचिंतकों से 17 सितम्बर 2026 को दोपहर 12 बजे अमहिया स्थित निज निवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं संगोष्ठी में उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने की विनम्र अपील की है।

3 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस घोषित किया जाए

रीवा, नगर संवाददाता।

अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस परिषद के अध्यक्ष राजकुमार सिंह तिवारी एवं साथी अधिवक्ताओं ने 3 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस घोषित कराने एवं अधिवक्ताओं की विभिन्न मांगों को पूरा करने हेतु प्रधानमंत्री को संभागायुक्त के माध्यम से संयुक्त आयुक्त वीरेंद्र पटेल को ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने मांग की कि अधिवक्ताओं को एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, पेंशन योजना, आवास योजना,आयुष्मान कार्ड का लाभ, नए कोर्ट भवन में मुफ़्त बैठक एवं चैंबर व्यवस्था, मुफ्त रेल एवं हवाई यात्रा, कार्य स्थल पर समस्त सुविधाएं सहित शासन के सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तथा सस्ता सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु रीवा में उच्च न्यायालय, ग्रीन ट्रिब्यूनल, रेवेन्यू बोर्ड एवं उपभोक्ता फोरम की स्थाई खण्ड पीठ तथा तथा पुराने न्यायालय भवन में विधि के विद्यार्थियों हेतु विधि विश्वविद्यालय की स्थापना कराई जाय। उक्त अवसर पर बृजेश सिंह तिवारी, राम रतन सिंह तिवारी, रश्मि द्विवेदी, प्रीति त्रिपाठी, उमेश पांडे ,प्रमोद शुक्ला, अंगिरा द्विवेदी, शालिनी पांडे, प्रमोद त्रिपाठी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

अतिवृष्टि से प्रभावित महराज पुरवा में राहत कार्य तेज

जरूरतमंदों को बांटा गया राशन व आवश्यक सामग्री

रीवा, नगर संवाददाता।

ग्राम पंचायत अतरैला के ग्राम महराज पुरवा में अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए त्वरित कदम उठाए गए। जल निकासी के बाद प्रभावित लोगों की जरूरतों को देखते हुए राशन एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। राहत एवं सहायता कार्य में सर्पंच रामभुवन पाण्डेय , पंचायत सचिव एवं सब इंजीनियर ने सक्रिय भूमिका निभाई और प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में सहयोग किया। इस मानवीय एवं सामाजिक सेवा कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता नीरज सिंह एवं लवलेश मिश्रा का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा। उनके सहयोग से जरूरतमंद एवं प्रभावित लोगों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाई जा सकी। अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के इस संयुक्त प्रयास की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

उज्जावल सिंह के साथ अजय गुप्ता ने की 10 लाख की धोखाधड़ीः आरोप

रीवा, नगर संवाददाता।

पी.टी.एस.निवासी उज्जवल सिंह पिता जर्नादन सिंह ने अजय गुप्ता निवासी पी.टी.एस.चौराहा रीवा के ऊपर 10 लाख के धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने जारी विज्ञप्ति में बताया कि उनके द्वारा भूमि खसरा क्र.733/1 रकबा 0.1040 हे.के अंश भाग 825 वर्गफिट स्थित दुकान को विक्रय करने का दिनांक 7.5.2019 को 10 लाख रुपये लेकर अनुबंध किया वावजूद इसके अजय गुप्ता ने उक्त भूमि में बने मकान एवं दुकान का विक्रय विलेख निष्पादित नहीं कराया। उज्जवल सिंह ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि अजय गुप्ता द्वारा जब विक्रय विलेख निष्पादन में हीला हबाली की जाती रही तो तहसील कार्यालय में जाकर पता किया तो ज्ञात हुआ कि उक्त भूमि रामसखा यादव पिता सूर्यदीन यादव निवासी अमहिया की है। उज्जवल सिंह ने आगे बताया कि उक्त आराजी में स्थित मकान एवं दुकान का विधिवत विक्रय विलेख रामसखा यादव से निष्पादित करा लिया गया और दिये गये 10 लाख रुपये की मांग अजय गुप्ता से करने लगे अजय गुप्ता ने सरहंगई के बल पर दुकान एवं मकान दोनो में तालाबंदी किया जिसके सम्बन्ध में पुलिस थाना अमहिया, एस.पी.रीवा के यहां फरियाद किया वावजूद इसके कोई कार्यवाही नहीं हुई। उज्जवल सिंह ने कलेक्टर रीवा को दिये आवेदन में लेख किया है कि अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनुविभाग हुजूर द्वारा अमहिया थाने में की गई शिकायत के आधार पर प्रचलित प्रकरण क्र.0007/आपराधिक/164/2025 विचारण उपरांत दिनांक 7.4.2026 को पारित आदेश के क्रियान्वयन में तहसील हुजूर के द्वारा हीला हवाली की जा रही है जिससे भूखों मरने की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होने कहा कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो मजबूरन आत्म हत्या करने को मजबूर होना पड़ेगा।

महापौर ने जल प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर में लगातार हो रही वर्षा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव की स्थिति को देखते हुए महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने स्वयं शहर के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महापौर ने वार्ड क्रमांक 01, 34 एवं 35 पुष्पराजनगर, पंचमठ एवं निपनिया क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए स्थानीय नागरिकों से चर्चा की तथा जलभराव के कारण उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मौके पर मौजूद नगर निगम अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई कर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही महापौर ने निर्देश दिए कि जल निकासी के लिए आवश्यकता के अनुसार जेसीबी मशीनों एवं मैन्युअल संसाधनों के माध्यम से नालियों एवं नालों की सफाई कराई जाए तथा जमा गाद, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर पानी के सुचारु प्रवाह की व्यवस्था की जाए। उन्होंने नालों के ऊपर किए गए अतिक्रमणों का सीमांकन करा कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जलभराव वाले ब्लैकस्पॉट चिन्हित कर भविष्य में जलभराव की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए स्थायी एवं प्रभावी जल निकासी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि वर्षाकाल के दौरान प्राप्त प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार जेसीबी, पंप एवं अन्य संसाधनों की सहायता से जल निकासी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य धनेंद्र सिंह बघेल, पार्षद श्रीमती सूफिया बेगम, डिप्टी कमिश्नर प्रकाश द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिरमौर विधायक ने बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौरा

प्रभावित लोगों के साथ प्रशासन व सरकारः दिव्यराज सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने अतरैला मंडल सहित क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचकर बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। विधायक दिव्यराज सिंह ने ग्रामीणों से कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ हम सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। क्षेत्र में जहां जैसी जरूरत होगी, वहां प्रशासन और सरकार की ओर से हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत की स्थिति की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित गांवों में जरूरत के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और जरूरतमंद लोगों तक तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक ने भारी बारिश के बीच अतरैला मंडल के कई गांवों का दौरा किया और प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार और प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। भारी बारिश और बाढ़ के बीच विधायक के गांव-गांव पहुंचने से प्रभावित ग्रामीणों में भी राहत और भरोसे का माहौल देखने को मिला।

कॉलेज में टपकती छत,दूषित जल और गंदगी से परेशान छात्र

एनएसयूआई ने टीआरएस प्राचार्य का किया घेराव

रीवा, नगर संवाददाता।

टीआरएस महाविद्यालय की कक्षाओं में छतों से पानी टपकने, जलभराव, गंदगी एवं मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से परेशान छात्रों ने एनएसयूआई कार्यकर्ता नित्कर्ष मिश्रा के नेतृत्व में प्राचार्य का घेराव किया। छात्रों ने बताया कि बारिश के दौरान कक्षाओं में पानी भर जाता है और छत से लगातार पानी टपकने के कारण पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है। वहीं कई स्थानों पर छत की हालत इतनी खराब है कि सरिया तक दिखाई दे रहा है, जिससे हजारों छात्रों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राचार्य से चर्चा के दौरान बताया गया कि शासन द्वारा रेनोवेशन के लिए दी गई राशि पीडब्लूडी को हस्तांतरित की गई थी, लेकिन कार्य की गुणवत्ता खराब रहने के कारण पुनः छतों में लीकेज की समस्या सामने आई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में छात्रों की शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा पूरी तरह खतरे में है। उन्होंने रेनोवेशन कार्य, सरकारी राशि के उपयोग एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। एनएसयूआई ने छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल छतों की मरम्मत, जलभराव एवं गंदगी की समस्या का निराकरण करने की मांग करते हुए प्राचार्य महोदय को ज्ञापन सौंपा।

प्रशासनिक अधिकारियों से बनाये हुए हैं सम्पर्क,खुद बनाये हुए हैं नजर

आपात स्थिति से निपटने बाढ़ प्रभावितों की लगातार मदद में जुटे सितलहा सरपंच अमित

रीवा, नगर संवाददाता।

सरपंच ग्राम पंचायत सितलहा अमित चक्रधर सिंह इस समय लगातार प्रशासनिक अधिकारियों के सम्पर्क में रहते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पल पल खबर दे रहे हैं और खुद नजर बनाए हुए हैं। बताया गया कि लगातार वारिस और बांध से फाटक खोलने के कारण टमस एवं महाना नदी का जल स्तर लगातार तीसरी बार बढ़ रहा है, लगभग छः दिनों से सितलहा जवा का पुल भी डूबा हुआ है लोगों का मुख्यालय से सम्पर्क पूरी तरह टूट चुका है, वहीं ग्राम पंचायत के ग्राम बसुआर, आदिवासी बस्ती कैथवारी,और बाबा का बगार चारों तरफ से दोनों नदी से घिरा हुआ है जहां सैकड़ों लोग अपने घरों में कैद हो चुके हैं जिसकी जानकारी जिला कलेक्टर को सरपंच ग्राम पंचायत सितलहा अमित चक्रधर सिंह द्वारा दी गई। वहीं कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार जवा शौरभ द्विवेदी और एनडीआरएफ की टीम स्टीमर के साथ सितलहा और बसुआर कैथवारी तथा बाबा का बगार का निरीक्षण करने पहुंचे और लोगों की समस्याओं को सुना और देखा, तहसीलदार ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल सूचना दे और प्रशासन आपकी रक्षा और सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं। हालांकि सुबह से बारिश कम होने और नदी का जल स्तर धीमी गति होने के कारण लोगो मे राहत है।

बदवार भीषण बस हादसे पर एआईएफबी ने व्यक्त किया दुःख

रीवा, नगर संवाददाता।

ऑल इण्डिया फारवर्ड ब्लाक मध्य प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह कल्चुरी, महासचिव अरुण प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष सुखनन्दन सिंह गहरवार, राजकुमार कोल ने गुढ़ नेशनल हाइवे 39 पर बदवार स्टैण्ड के पास हुए भीषण हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। नेतागणों ने इस भीषण दुघर्टना में जान गंवाने वाले सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है साथ ही हादसे गंभीर रूप से घायल हुए सभी यात्रियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

संपादकीय

एकत्व का 'डीएनए'

न्यूयॉर्क में सरसंघचालक मोहन भागवत ने जो संबोधन दिया है, वह उनकी सोच की पुनरावृत्ति ही है, चूंकि यह संदेश अमरीकी जमीन से दिया गया है, लिहाजा इसकी गूंज 'वैश्विक' है। मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना कर इसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं।

बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया था कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना बंद करें।

उसका जबरदस्त असर हुआ और ऐसी सांप्रदायिक कवायदें बहुत कम हो गईं। 'काशी, मथुरा' संघ परिवार और भाजपा के सनातन मुद्दे हैं और कहा जाता रहा है कि अदालत का जो फैसला होगा, वह मान्य होगा। दरअसल सरसंघचालक भागवत अपनी सोच और वैचारिकता में बिल्कुल स्पष्ट हैं, लिहाजा वह हिंदू-मुस्लिम के एकत्व वाले राष्ट्र की कल्पना करते रहे हैं, लेकिन अहम सवाल यह है कि संघ प्रमुख किन्हें संबोधित करते रहे हैं? संघ के प्रचारक रहे और अब देश के प्रधानमंत्री मोदी खुद 'कपड़ों से पहचानने', 'दाढ़ी-टोपी वाले', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'आपका मंगल-सूत्र छीनने वाले' आदि सार्वजनिक टिप्पणियां कर मुसलमानों पर आघात करते रहे हैं। भाजपा में एक बड़ी जमात है, जो सार्वजनिक रूप से मुस्लिम-विरोधी है, कट्टर विरोधी है। कांवड़-यात्रा निकलती है, तो मुसलमानों को पहचान छिपानी पड़ती है। उनकी दुकानों, रेहड़ियों और उनके ढाबों पर अनावश्यक, अनधिकृत जांच के छापे मारे जाते हैं। सर्वोच्च अदालत तक इनके खिलाफ फैसला सुना चुकी है। देश में 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (एनआरसी) का अभियान असम से चलाया गया, लेकिन प्राथमिक जांच में ही 'हिंदू' या 'बंगाली हिंदू' बहुसंख्यक पाए गए। अभियान पर ढक्कन लगा दिया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब भी एनआरसी के अभियान पर आमादा हैं। हालांकि संघ-प्रमुख के संबोधन के बाद खासकर भाजपा में 'गहरी खामोशी' है, अलबत्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद निशिकांत दुबे जैसों की भरपूर जमात है, जो बात-बात पर, औसत मुद्दों और विवाद पर, मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की धमकी देते रहे हैं। जिन्हें पाकिस्तान जाना था, वे चले गए, 80 लंबे साल भी बीत गए, पीढ़ियां बदल गईं, अब मुसलमान भी भारतीय हैं। हिंदू-मुसलमान की नारेबाजी, नफरत, जारी रहेगी, तो देश में एकता, एकत्व का डीएनए अथवा सांस्कृतिक एकात्मवाद की स्थितियां कैसे संभव होंगी?

वर्तमान सदी केवल भारत की है

तेजी से बदल रही है भारत की तस्वीर

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेप्टो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नॉलोजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 20/25 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वही है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घराने/खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट-अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं। किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनीयर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं है। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजिनीयरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ऋणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अत: भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है। कई देशों ने तो अपनी संसद में प्रस्ताव पास करने के उपरांत भारत सरकार से भारतीय युवाओं को इन देशों में भेजने की मांग की है।

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण से आज प्रतिवर्ष भारत से लगभग 7 लाख नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस रहे हैं। श्री लक्ष्मी मित्तल ने ब्रिटेन में आरसेलोर स्टील कम्पनी खरीद ली है। यह कम्पनी पूर्व में बीमार कम्पनी की श्रेणी में शामिल थी परंतु मित्तल समूह ने इसे आज विश्व की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कम्पनी बना दिया है। इसी प्रकार वर्ष 2008 में टाटा समूह ने जैग्वार एवं लैंड रोवर कम्पनी को खरीद लिया था। भारतीय मूल के नागरिक आज ब्रिटेन में जायदाद निवेशकों के क्षेत्र में सबसे बड़े निवेशक माने जा रहे है। यूरोप में आज भारतीय कम्पनियां सबसे अधिक राशि का निवेश करती हुई दिखाई दे रही हैं और यूरोपीयन कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही है। अमेरिका में भी लगभग यही स्थिति है। अमेरिका में सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक कम्पनी को भारतीय ने खरीद लिया है। इसी प्रकार, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, अडोबी जैसी बड़ी कम्पनियों को भारतीय मूल के नागरिक ही चला रहे हैं। भारतीय मूल के ही अजय बांगा आज विश्व बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बन गए हैं। भारत में आज 15 लाख इंजिनीयर प्रतिवर्ष बन रहे हैं। विश्व के लगभग समस्त देशों को आज भारतीय युवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। विशेष रूप से जापान एवं यूरोपीयन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

चीन से आज कई देश दूर भाग रहे हैं क्योंकि चीन ने विभिन्न देशों को कर्ज दे रखा है, यदि कोई देश इस कर्ज का भुगतान समय पर नहीं कर पाता है तो चीन उस देश के संसाधनों पर अपना अधिकार जताने लगता है। इससे इन देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं रहे हैं। दूसरी ओर भारत में राजनैतिक स्थिरता है, जिसके चलते आज भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बंध हैं। भारत आज विश्व के कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। आज स्थिति यह निर्मित हो रही है कि भारतीय यूनिकोन अमेरिकी कम्पनियों का अधिग्रहण करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत आज जापान, इजराईल, रूस, यूएई एवं अमेरिका जैसे देशों का रणनीतिक साझीदार है। साथ ही, भारत के सम्बंध अब चीन के साथ भी सामान्य हो रहे है। भारत आज वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र की आवाज बन रहा है क्योंकि विश्व के कई देशों का अब चीन पर भरोसा नहीं रहा है। भारत आज जी-20 देशों के समूह का भी सदस्य है, तो जी-7 देशों के समूह एवं वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र के बीच एक पुल का काम करता हुए भी दिखाई दे रहा है। भारत एससीओ का भी सदस्य है तो ब्रिक्स का भी सदस्य है। साथ ही, भारत क्वाड का भी सदस्य है। इस प्रकार, भारत आज विश्व के लगभग समस्त महत्वपूर्ण समूहों का सदस्य है एवं भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ बहुत अच्छे, सौहार्दपूर्ण, व्यावसायिक एवं व्यावहारिक सम्बंध हैं। इसी कारण से ही कुशल भारतीय युवाओं की मांग आज पूरे विश्व में कई देशों द्वारा की जा रही है।

क्या नेपाल त्रासदी को रोका जा सकता था? तबाही में छिपा जलवायु संकट का संदेश

शेखर अय्यर

हाल ही में, नेपाल-तिब्बत के हिमालयी इलाके में आई भीषण बाढ़ कोई सामान्य प्राकृतिक आपदा नहीं है। यह त्रासदी एक गंभीर संदेश लेकर आई है कि हम भले ही अलग-अलग देशों में रहते हों, लेकिन प्रकृति में होने वाले बदलाव का असर हम सभी पर पड़ता है। वैज्ञानिक अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर इस आपदा की असली वजह क्या थी। हालांकि, हाल के दिनों में बढ़ा तापमान और ग्लेशियर की तेजी से पिघलती बर्फ इसकी एक संभावित वजह हो सकती है।

नेपाल पिछले तीन दशकों में अपने ग्लेशियरों की करीब एक-तिहाई बर्फ गंवा चुका है। यहां एक दिलचस्प विरोधाभास है। दुनिया की कार्बन समस्या के लिए नेपाल का योगदान न के बराबर है। 2024 में, जीवाश्म ईंधन और उद्योगों से होने वाले वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में नेपाल की हिस्सेदारी मात्र 0.05 फीसदी थी। यानी बेहद कम कार्बन उत्सर्जन करने वाला यह देश गर्म होती धरती के दुष्परिणामों का भयानक शिकार बना। इसका सबसे बड़ा सबक यही है कि हमारा पारिस्थितिकी तंत्र एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा है। ग्लेशियर, जंगल, महासागर, बारिश और हवाएं पृथ्वी का ही हिस्सा हैं। हम दुनिया के किसी एक हिस्से में जो करते हैं, उसका असर हजारों किलोमीटर दूर रहने वाले लोगों तक पहुंच सकता है। धरती का अपना एक क्रम और संतुलन है, जिसका हमें सम्मान करना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी सिर्फ प्रकृति से फायदा उठाना ही नहीं है, बल्कि ऐसे कामों से बचना भी है, जो उसके संतुलन को बिगाड़ते या नुकसान पहुंचाते हैं। हम प्रकृति से आखिर कितना ले सकते हैं? कितना उत्पादन कर सकते हैं? कितना उपभोग कर सकते हैं? और सबसे अहम, प्रकृति कितना कुछ झेल सकती है? नेपाल की इस त्रासदी ने इन सवालों को फिर से चर्चा में ला दिया है। पिघलते ग्लेशियर नदियों के प्रवाह, उनके स्वरूप को बदल सकते हैं। पिघलता हुआ ग्लेशियर नदियों पर असर डाल सकता है। बर्बाद जंगल पानी और मिट्टी को प्रभावित कर सकते हैं। महासागरों में होने वाले बदलाव हजारों किलोमीटर दूर के मौसम पर असर डाल सकते हैं।

आखिर नेपाल-तिब्बत सीमा पर हुआ क्या था? दरअसल, वहां भूकंप की शुरुआती खबरों के बाद लोगों को लगा कि भूकंप के झटकों से जमीन खिसकी होगी और भूस्खलन के कारण ही यह भीषण बाढ़ आई। बाद में साफ हुआ कि आपदा की शुरुआत बर्फ व चट्टानों के बड़े पैमाने पर खिसकने से हुई थी। इससे अचानक तेज बाढ़ आई और भारी मात्रा में मलबा नीचे की ओर बह निकला। वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि बर्फ, चट्टान और तलछट का यह बड़ा हिस्सा समुद्र तल से करीब 5,000 मीटर की ऊंचाई से 1.2 किलोमीटर नीचे गिरा। इससे नीचे बह रही नदी कुछ समय

के लिए बंध गई और वहां एक झील बन गई। जब ग्लेशियर से आया पानी इस झील में भरा, तो अस्थायी बांध टूट गया और पानी का तेज बहाव सीमा के दोनों ओर बसे गांवों तक पहुंच गया। इस दौरान शुरुआती चेतावनी प्रणाली भी विफल रही। निगरानी कैमरों ने तिब्बत में स्थानीय समयानुसार सुबह 8:32 बजे पानी के शुरुआती बहाव को रिकॉर्ड कर लिया था। लेकिन, चीन की ओर से नेपाली अधिकारियों को इसकी सूचना 26 मिनट बाद मिली। बाढ़ जैसे-जैसे नीचे की ओर बढ़ी, कई अहम निगरानी केंद्र या तो नष्ट हो गए या फिर डाटा भेजने में नाकाम रहे। सुबह 9:13 बजे लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश भेजे गए, लेकिन तब तक निचले इलाकों में रहने वाले कई लोगों के लिए बहुत देर हो चुकी थी। एक प्रधानाध्यापक ने फोन पर मिली सूचना के बाद महज 10 मिनट में 900 से अधिक छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह घटना बताती है कि समय पर मिली छोटी-सी चेतावनी भी कितनी जिंदगियां बचा सकती है।

नेपाल अब आपदा की निगरानी और शुरुआती चेतावनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चीन के साथ बेहतर सहयोग मांग रहा है। इस त्रासदी ने दुर्गम हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों, ग्लेशियल झीलों, भूस्खलन और नदियों की स्थिति से जुड़ी सूचनाओं के दोनों देशों के बीच सीमित आदान-प्रदान की पुरानी चिंता को फिर से उजागर किया है। इस आपदा से करीब तीन महीने पहले नेपाली और चीनी अधिकारियों ने काठमांडो में मुलाकात की थी। बैठक में बाढ़, मौसम और ग्लेशियर से जुड़े खतरों पर सहयोग, ग्लेशियल झीलों की सूची तैयार करने, खतरे वाले क्षेत्रों की मैपिंग करने और संयुक्त रूप से जोखिम कम करने जैसे उपायों पर चर्चा हुई। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि बैठक के बाद उन्हें उम्मीद के मुताबिक जानकारी नहीं मिली, खासकर ग्लेशियरों में शुरुआती बदलाव और जलस्तर में हो रहे परिवर्तन से जुड़ी सूचनाएं।

चीन का कहना है कि उसने आपदा से पहले ही नेपाल को चेतावनी दे दी थी। इस भीषण आपदा से 12 दिन पहले चीन के विश्व मौसम विज्ञान केंद्र ने नेपाली अधिकारियों को बताया था कि मानसून कमजोर रहने का असर इलाके पर पड़ सकता है। उसने भारी बारिश के साथ भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी संभावित आपदाओं को लेकर भी चेतावनी दी थी। हालांकि, नेपाली अधिकारियों का कहना है कि यह चेतावनी मुख्य रूप से बारिश के पूर्वानुमान तक सीमित थी। इसमें ग्लेशियर, हिमस्खलन, जलस्तर बढ़ने या अचानक पैदा होने वाले दूसरे खतरों की रियल-टाइम निगरानी से जुड़ी जानकारी नहीं थी। भारतीय राज्यों में भी बाढ़ का खतरा बेहद गंभीर रहा है। हालांकि, कुछ इलाकों में तत्काल पैदा हुआ खतरा शायद अब टल गया है। बाढ़ का पानी बिहार की गंडक, कोसी और गंगा नदियों तक पहुंच गया, जिसके बाद अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना पड़ा। खतरनाक तरीके से बढ़ते जलस्तर पर नजर रखने के लिए बड़ी संख्या में टीमें तैनात की गईं, खासकर वाल्मीकि नगर बैराज और संवेदनशील तटबंधों के आसपास। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। उत्तर प्रदेश में भी अधिकारी सतर्क रहे। राज्य के राहत आयुक्त ने हालात पर रियल-टाइम नजर रखी, क्योंकि नेपाल से निकलने वाली उफनती नदियां स्वाभाविक रूप से भारतीय इलाकों में प्रवेश करती हैं। पूरी तस्वीर बताती है कि इस विनाशकारी घटना का असर नेपाल, भारत और चीन, तीनों देशों तक पहुंचा है। ऐसे में, सबसे बड़ा सवाल यही है कि भू-राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर तीनों देशों के बीच बेहतर सहयोग और तालमेल के लिए एक व्यावहारिक ढांचा कैसे तैयार किया जाए।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है- जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है।

जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं।

लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अत- उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

ब्रह्मांड का कुरुक्षेत्र : आज की 'जेन जी' को क्यों है कृष्ण की रणनीतिक समझ की जरूरत?

पं. पवन शर्मा
यू.एस.ए.

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ चारों तरफ असीमित शोर है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह दुनिया तेजी से बदलते ट्रेंड्स, डिजिटल कनेक्टिविटी, हर वक्त भागते रहने की होड़ और गहरे वैचारिक मतभेदों का एक चक्रव्यूह बन चुकी है। इस माहौल में जीना किसी अराजक युद्धक्षेत्र में खड़े होने जैसा महसूस हो सकता है। जब मानसिक तनाव घेरता है और फैसले लेना मुश्किल हो जाता है, तब यह पीढ़ी खुद को संभालने के लिए कहाँ देखे?

इसका जवाब किसी नए सेल्फ़-हेल्प ऐप या एल्गोरिदम में नहीं, बल्कि हज़ारों साल पुराने एक शाश्वत दर्शन में छिपा है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं कोई रूढ़िवादी या पुरानी पड़ चुकी बातें नहीं हैं। वे मानसिक सुदृढ़ता, रणनीतिक नेतृत्व और एक प्रामाणिक जीवन जीने का एक व्यावहारिक और जीवंत मार्गदर्शक हैं। उद्देश्य और शांति की तलाश में भटके युवाओं के लिए, कृष्ण का जीवन विपरीत परिस्थितियों में भी निखरने का सबसे बेहतरीन सबक है।

सेवक नेतृत्व- अधिकार नहीं, सशक्तिकरण से जीत- आज के दौर में नेतृत्व (लीडरशिप) का मतलब अक्सर सत्ता हासिल करने, सोशल मीडिया पर बड़ी फॉलोइंग बनाने या अपने अहंकार को दिखाने से जोड़ दिया जाता है। कृष्ण का नेतृत्व इसके विपरीत एक क्रांतिकारी और ताज़ा विकल्प पेश करता है गहरी सहानुभूति पर आधारित सेवक नेतृत्व। एक महान रणनीतिकार और राजाओं के भाग्य विधाता होने के बावजूद, कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में सेनाओं की कमान संभालने वाले योद्धा के रूप में नहीं, बल्कि अर्जुन के एक विनम्र सारथी के रूप में प्रवेश करना चुना। आज के युवाओं के लिए इसका संदेश बिल्कुल साफ है- सच्चा नेतृत्व दूसरों पर हुक्म चलाने में नहीं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने में है। इसका अर्थ है अपनों के साथ जमीन पर उतरना, उनकी चिंताओं को ध्यान से सुनना और उनके आत्म-संदेह के क्षणों में उनका मार्गदर्शन करना। कृष्ण साबित करते हैं कि असली आकर्षण किसी ऊंचे सिंहासन से नहीं, बल्कि दूसरों को सहारा देने और उनकी सेवा करने की निस्वार्थ भावना से आता है। कुशल राजनयिक- शोर-शराबे पर शांत संवाद की जीत

आज की इस बंटी हुई दुनिया में जहाँ ज़रा सा मतभेद होते ही लोग एक-दूसरे को बहिष्कृत करने लगते हैं, कृष्ण की कूटनीति और समझदारी बहुत बड़ी सीख देती है। वे शांति के सबसे बड़े दूत थे, जिन्होंने युद्ध को टालने के लिए संवाद, समझौते और आपसी सम्मान के हर संभव रास्ते का उपयोग किया। कृष्ण की कूटनीति हमेशा एक शांत दिमाग और बड़े उद्देश्य पर केंद्रित होती थी। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत भावनाओं को जन-कल्याण के रास्ते में आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने बेहद शालीनता और गरिमा के साथ सत्ता के सामने सच रखा, जिससे यह सिद्ध होता है कि असली ताकत चिल्लाने में नहीं, बल्कि संयम में होती है। जटिल सामाजिक और वैश्विक संकटों से जूझ रहे आज के समाज को विवाद बढ़ाने वालों की नहीं, बल्कि दूरदर्शी राजनयिकों की जरूरत है। कृष्ण युवाओं को बातचीत की कला सिखाते हैं। वे सिखाते हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी साझा रास्ता खोजा जाता है और असली बुद्धिमानी आक्रामक होने में नहीं, बल्कि रणनीतिक संवाद और सूझबूझ से विवादों को सुलझाने में है।

निष्काम कर्म मानसिक तनाव और बर्नआउट से सुरक्षा कवच आज का युवा एक कभी न खत्म होने वाले प्रदर्शन के दबाव में जी रहा है, जहाँ उसकी योग्यता को केवल अंकों, नौकरी के पदों या सोशल मीडिया लाइक्स से मापा जाता है। कृष्ण का निष्काम कर्म (परिणाम की चिंता किए बिना कर्म करना) का मूल दर्शन इस आधुनिक मानसिक तनाव (बर्नआउट) के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। कृष्ण का प्रसिद्ध उपदेश है- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन अर्थात, तुम्हें केवल अपना कर्तव्य करने का अधिकार है, उसके फल पर तुम्हारा नियंत्रण नहीं है।

यह जीवन के इस अंतहीन मुक़ाबले से खुद को थोड़ा अलग करने का आह्वान है। इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप प्रयास करना छोड़ दें; बल्कि इसका मतलब यह है कि आप अपनी शत-प्रतिशत ऊर्जा प्रक्रिया (प्रोसेस) में लगाएं और परिणाम की सनक से मुक्त हो जाएं। जब आप अपनी मानसिक शांति को बाहरी नतीजों और तारीफों से आज़ाद कर लेते हैं, तो चिंता अपने आप खत्म हो जाती है और आपकी रचनात्मकता खुलकर बाहर आती है।

स्वधर्म: सोशल मीडिया की तुलना के जाल से मुक्ति- दूसरों की सजी-धजी जिंदगियों को स्क्रीन पर लगातार देखने से खुद की तुलना करना स्वाभाविक हो जाता है। कृष्ण यहाँ स्वधर्म का विचार देते हैं-यानी अपने वास्तविक स्वभाव और आंतरिक क्षमता के अनुरूप जीना। वे कहते हैं कि किसी और के जीवन की नकल करके पूरी तरह सफल होने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के जीवन के उद्देश्य को अधूरा ही सही, पर ईमानदारी से जिएं। युवा मन के लिए यह सीख है कि वे समाज द्वारा बनाए गए दूसरों के बने-बनाए ढर्रों के पीछे भागना बंद करें। स्वधर्म युवाओं को अपने भीतर झांकने, अपनी अनूठी शक्तियों को पहचानने और अपना प्रामाणिक रास्ता खुद बनाने के लिए प्रेरित करता है। मौलिकता और असलियत सिर्फ फैशन के शब्द नहीं हैं; यह आपका सबसे बड़ा नैतिक कर्तव्य है।

मन पर नियंत्रण- डिजिटल दुनिया के शोर को थामना- जब कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को घबराहट का दौरा (पैनिक अटैक) पड़ा-उनके हाथ कांपने लगे और विचार सुन्न हो गए-तब कृष्ण ने उनकी इस कमजोरी का मज़ाक नहीं उड़ाया। इसके बजाय, उन्होंने इस मानसिक स्थिति को गहरे मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से संभाला। उन्होंने समझाया कि यह मन ही है जो व्यक्ति का सबसे अच्छा मित्र बन सकता है और यही मन सबसे बड़ा शत्रु भी हो सकता है।

आज के इस डिजिटल युग में, जहाँ हर तरफ सूचनाओं की भरमार है और लोग लगातार नकारात्मक ख़बरें देख रहे हैं, अपने मन को नियंत्रित करना सबसे बड़ी शक्ति है। कृष्ण का स्थितप्रज्ञ का सिद्धांत युवाओं को सिखाता है कि वे अपने भीतर उठने वाले विचारों को स्क्रीन पर आने वाले नोटिफिकेशन की तरह देखें-उन्हें जानें, समझें, लेकिन अपनी मानसिक शांति को उन पर हावी न होने दें।

एक प्रामाणिक भविष्य का खाका- भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन हमें दिखाता है कि अध्यात्म और आधुनिक दुनिया में सक्रिय रहना दो अलग बातें नहीं हैं। वे एक मार्गदर्शक थे, एक कुशल राजनयिक थे, एक सच्चे मित्र थे और एक ऐसे कलाकार भी थे जिन्होंने संगीत और नृत्य के माध्यम से जीवन के हर रंग का उत्सव मनाया। वे युवा पीढ़ी को आधुनिक दुनिया की जटिलताओं से भागने के लिए नहीं कहते। इसके बजाय, वे उन्हें इस उथल-पुथल के बीच मजबूती से खड़े होने, एक शांत और रणनीतिक दिमाग विकसित करने, सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता देने और अपने दैनिक जीवन की लड़ाइयों को पूरी स्पष्टता, सहानुभूति और साहस के साथ जीतने का आह्वान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिंधी समाज ने मनाया थदिड़ी का त्योहार

ग्वालियर। सिंधी समाज में सप्तमी के अवसर पर थदिड़ी का त्योहार श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी के कनवीनर श्रीचंद पंजाबी एवं भीष्म पमनानी ने बताया कि परंपरा के अनुसार शीतला षष्ठी को ही विभिन्न व्यंजन बनाकर चूल्हा ठंडा कर दिया गया था। थदिड़ी माता को एक दिन पूर्व तैयार व्यंजनों का भोग लगाया गया। प्रसाद के रूप में मीठी रोटी, बेसन की कोकी, दाल के परांठे, तारवां, तली सब्जियां और दही सहित अन्य पकवान परिवार के साथ ग्रहण किए गए।

1111 यात्री सम्मेद शिखर के लिए रवाना

ग्वालियर। शाश्वत जैन तीर्थ सम्मेद शिखर की धार्मिक सद्भावना यात्रा के लिए जयकारों के साथ 1111 यात्रियों का जत्था सम्मेद शिखर जी के लिए गुरुवार को रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। यह यात्रा 06 सितंबर तक वहां रहेगी। यह यात्रा श्री सम्मेद शिखर विहसंत यात्रा समिति डबरा के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है।

भगवान अग्रसेन को बांधी राखी

ग्वालियर। मुरार में रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर बुधवार को अग्रसेन चौक पर, अग्रसेन उत्सव समिति एवं शहर के अग्रवाल समाज के बंधुओं के सहयोग से रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भगवान अग्रसेन को राखी बांधी और समाज की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

राजनीतिक चेतना के संदेशवाहक वरिष्ठजनों का किया सम्मान

ग्वालियर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं प्रथम लोकसभा सांसद स्व. कन्हैयालाल वाल्मीकि की पुण्यतिथि पर समर्थ वाल्मीकि युवा मंच ने 'राजनीतिक चेतना सम्मान' कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर डॉ. केके चौहान ने कहा कि अन्याय और अत्याचार के खिलाफ राजनीतिक चेतना जरूरी है। समाज को एकजुट होकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग करनी चाहिए।

अनंगपाल की 11 पुस्तकों का लोकार्पण आज

ग्वालियर। भगवत साहित्य परिवार ग्वालियर के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार अनंगपाल सिंह 'अनंग' द्वारा रचित 'श्रीकृष्ण लीला चरित्रम' की 11 पुस्तकों का लोकार्पण शुक्रवार को होगा। कार्यक्रम एंबियंस होटल, रेलवे स्टेशन परिसर में सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एकादश रूद्र पीठ हरिद्वार के महामंडलेश्वर संतोषानंद सरस्वती होंगे।

'छोटी सी किशोरी अंगना में डोले रे'

ग्वालियर। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्वालियर में जिला स्तरीय बालरंग उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लोकगीत, लोकनृत्य, कथक, शास्त्रीय नृत्य, योग, संस्कृत, उर्दू, चित्रकला एवं साहित्यिक विधाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 'मिथिला नगरिया निहाल सखियां', 'छोटी सी किशोरी अंगना में डोले रे', छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य और बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पुष्पा दोढ़ी रहीं। अध्यक्षता प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने की।

व्यक्ति अपने विश्वास से निर्मित होता है

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक ने भगवान श्रीकृष्ण एवं बलराम के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. संजीव चौधरी ने विद्यार्थियों को निरंतर कर्मशील रहने के लिए प्रेरित किया।

बीना में रीमॉडलिंगः 15 अक्टूबर तक ट्रेनें रहेंगी प्रभावित, श्रीधाम, भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी समेत कई गाड़ियां रद्द

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भोपाल-दिल्ली और कटनी रेल मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। पश्चिम मध्य रेलवे के बीना स्टेशन और उत्तर मध्य रेलवे के आगासौद स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन जोड़ने के लिए यार्ड रीमॉडलिंग का काम किया जा रहा है। यह काम 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस प्री-नॉनइंटरलाकिंग और नॉनइंटरलाकिंग काम के कारण रेलवे ने कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द, शॉर्ट टर्मिनेट और डायवर्ट किया है। इनमें कई प्रमुख ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी। जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस (12192/12191) 26 सितंबर से 14 अक्टूबर तक (जबलपुर से) और 27 सितंबर से 15 अक्टूबर तक (निजामुद्दीन से) रद्द रहेगी। भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी (12197/12198) 1 से 15 अक्टूबर तक दोनों तरफ से रद्द रहेगी। भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस (22161/22162) 9 से 15 अक्टूबर तक (भोपाल से) और 10 से 16 अक्टूबर तक (दमोह से) नहीं चलेगी। साप्ताहिक ट्रेनों में ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (2 व 9 अक्टूबर), बेंगलुरु-ग्वालियर (4 व 11 अक्टूबर), रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर (14-15 अक्टूबर) और भोपाल-खजुराहो महामना (15 अक्टूबर) रद्द रहेंगी। बीना-ललितपुर, बीना-कटनी मुड़वारा और बीना-रूठियाई मेमू ट्रेनें भी 20 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तारीखों में रद्द रहेंगी। कुछ ट्रेनें अपने तय स्टेशन तक नहीं जाएंगी या बीच रास्ते से ही चलेंगी। भोपाल-दिल्ली शताब्दी (12001/12002) 15 अक्टूबर को रानी कमलापति स्टेशन आने के बजाय ललितपुर में ही खत्म होगी और वहीं से दिल्ली के लिए रवाना होगी। कुछ ट्रेनों का रूट भी बदला गया है। ग्वालियर-बीना (51884/51883) और बीना-दमोह (51885/51886) गाड़ियां बीना स्टेशन के बजाय फ्लाईओवर से सीधे मालखेड़ी तक चलेंगी।

त्योहारों पर यात्रियों को राहत- ग्वालियर-बरौनी स्पेशल ट्रेन के 18-18 अतिरिक्त फेरे

आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने ग्वालियर-बरौनी विशेष ट्रेन के 18-18 अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त फेरे 29 सितंबर से 29 नवंबर तक संचालित होंगे। इससे यात्रियों को त्योहारों के दौरान आवागमन में सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव कम होगा। गाड़ी संख्या 04137 ग्वालियर-बरौनी विशेष ट्रेन 29 सितंबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 04138 बरौनी-ग्वालियर विशेष ट्रेन 30 सितंबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार और बुधवार को संचालित होगी। उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए अतिरिक्त फेरों का संचालन किया जा रहा है। विशेष ट्रेन में कुल 20 आईसीएफ कोच होंगे। इनमें छह सामान्य, छह स्लीपर, चार द्वितीय श्रेणी चेयर कार और दो वातानुकूलित कोच शामिल हैं। रेलवे के अनुसार ट्रेन के समय, ठहराव और मार्ग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले टिकट की उपलब्धता और ट्रेन के निर्धारित समय की जानकारी रेलवे की अधिकृत प्रणालियों से जरूर प्राप्त कर लें।

बीआईएमआर में बिना चीरे के बलून तकनीक से हुआ हार्ट वाल्व का सफल इलाज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हृदय के खराब वाल्व को बदलने के लिए सामान्यतः सर्जरी को ही एकमात्र विकल्प माना जाता है, लेकिन बीआईएमआर एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर सेंटर पर बिना सर्जरी के बलून द्वारा यह उपचार सफलतापूर्वक किया जा रहा है। गत सप्ताह सांस फूलने की शिकायत लेकर एक मरीज बीआईएमआर हॉस्पिटल्स के हृदय रोग विभाग की ओपीडी में पहुंचा। वहां सीनियर इंटरवेंशन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आशीष चौहान ने जांच के बाद पाया कि मरीज का हृदय वाल्व अत्यधिक सिकुड़ा हुआ है। मरीज को तुरंत भर्ती करने की सलाह दी गई और बिना किसी सर्जरी के, केवल बलून विधि द्वारा उसका सफल इलाज कर अगले ही दिन अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, हर वाल्व की बीमारी में वाल्व बदलना (वाल्व रिप्लेसमेंट) जरूरी नहीं होता। कई हृदय वाल्व रोगों का उपचार बिना वाल्व बदले ही विभिन्न इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के माध्यम से संभव है।

एमिटी ने बेहट तानसेन साधना स्थली पर लगाया एक दिवसीय शिविर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एमिटी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से बेहट स्थित तानसेन साधना स्थली पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने महान संगीत सम्राट तानसेन की जन्मभूमि और उनकी साधना स्थली के ऐतिहासिक महत्व को करीब से समझा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रचना कट्टल, डॉ. मनीष दुबे, डॉ. आकाश गुप्ता और डॉ. नेहा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन पर प्रो-चांसलर वी.के. शर्मा (सेवानिवृत्त) और कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर ने शुभकामनाएं दीं।

राजा रवि वर्मा के चित्रों में भारतीय संस्कृति का दृश्य वैभव

आईटीएम की प्रदर्शनी में कला, परंपरा और आधुनिकता का संगम

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय चित्रकला के इतिहास में राजा रवि वर्मा का अवदान केवल एक कुशल चित्रकार के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना को आधुनिक चित्रभाषा देने वाले कलाकार के रूप में स्मरण किया जाता है। ग्वालियर की कला वीथिका में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित उनके प्रिंट्स और ओलियोग्राफ्स की प्रदर्शनी इसी कलात्मक विरासत से साक्षात्कार का अवसर प्रदान कर रही है। 3 से 6 सितंबर तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में रवि वर्मा प्रेस में प्रकाशित लगभग 64 मूल प्रिंट्स और ओलियोग्राफ्स प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, आईटीएम ग्वालियर और आईटीएम ग्लोबल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय सहित शिक्षाविद्, कला शिक्षक, विद्यार्थी और नगर के कला-रसिक उपस्थित रहे। रवि वर्मा की कला की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने भारतीय पुराण, महाकाव्य और लोक-स्मृति के पात्रों को ऐसी दृश्यात्मक गरिमा प्रदान की, जिसमें भारतीय भावभूमि और यूरोपीय चित्रांकन तकनीक का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। इस अवसर पर डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि कला शिक्षा को केवल रेखाओं और रंगों तक सीमित नहीं करती, बल्कि विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, सूक्ष्म अवलोकन, सृजनात्मक चिंतन और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने की क्षमता विकसित करती है। कला वीथिका, पड़ाव में आयोजित यह प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

तीन नाबालिग एक बालिग युवती बरामद

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना पुलिस ने घर से लापता हुई तीन नाबालिग और एक बालिग युवती को बरामद करने के बाद उनके परिजनों को सौंपा। लापता युवतियां घर से काम करने के लिए निकली थीं और फिर घर नहीं लौटी थीं। 25 अगस्त को तीन नाबालिग और एक नाबालिग युवती घर से डायपर बनाने की कम्पनी में काम करने के लिए अपने अपने घरों से निकली थीं। जब काफी समय बाद भी चारों अपने घर नहीं लौटी तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को जैसे ही फैक्ट्री में काम करने निकली चार युवतियों के लापता होने का पता चला तो उनकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने चारों युवतियों को बरामद करने के बाद सीडब्ल्यूसी के माध्यम से परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल का कहना है कि चार युवतियों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है।

अपनी कमियों को 15 दिन में दूर कर लें, व्यवस्था नहीं सुधरी तो कार्रवाई

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर की सफाई व्यवस्था की बिगड़ी हालात पर निगमायुक्त अभिषेक चौधरी सख्त हो गए हैं, यही कारण है कि उन्होंने अधीनस्थों को दो टूक हिदायत देकर कहा कि सफाई चाक चौबंद हो। वहीं निरीक्षणों के दौरान कई जगह गंदगी मिल चुकी है, जो कि अब नहीं दिखनी चाहिए। अपनी कमियों को 15 दिन में दूर कर लें, इसके बाद व्यवस्था नहीं सुधरी, तो कार्रवाई होगी।

गुरुवार को निगमायुक्त ने बैठक में निर्देश दिए हैं कि समय से डोर टू डोर टिपर वाहन अपने-अपने क्षेत्रों में कचरा संग्रहण के लिए निकलें। सभी टिपर वाहन साफ व स्वच्छ होने चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी ध्यान रखें कि टिपर वाहन पूरा भरने के बाद ही कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर पहुंचें। साथ ही वे अपने पूरे चक्कर लगाएं। उन्होंने कहा कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र से शत प्रतिशत कचरा कलेक्शन हो। वहीं रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था बेहतर करें और डोर टू डोर वाहनों की निगरानी की जाए, जिससे वह कचरा वार्ड अथवा खुले में डंप न कर सकें। सभी कर्मचारी कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर लेकर जाएं। साथ ही कचरा फेंकने वालों से जुर्माना वसूला जाए।

निगमायुक्त को मिली गंदगी व अनुपस्थित कर्मचारी

ग्वालियर। शहर की सीवर सफाई व्यवस्था एवं सीवर मशीनरी के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त अभिषेक चौधरी को गंदगी मिली। साथ ही मौके पर कर्मचारियों की उपस्थिति चेक करने पर कई कर्मचारी गायब मिले। वहीं निगमायुक्त ने सीवर सफाई में उपयुक्त होने वाली मशीनों का स्वयं मौके पर खड़े होकर परीक्षण किया और सिटी सेंटर स्थित आयकर विभाग कार्यालय के पास सीवर लाइन को साफ कराने का डेमो देखने के दौरान सीवर सफाई में उपयुक्त की जाने वाली सुपर सकर, डिसिल्टिंग मशीन सहित अन्य मशीनों से मौके पर कार्य कराया। इस दौरान मशीनों की कार्यक्षमता को परखा और सफाई में लगने वाले समय आदि की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि कॉलोनियों की सीवर लाइनों की सफाई कराएं। वहीं ठेकेदार मुख्य सीवर लाइनों की सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से सफाई कार्य प्रारंभ करें और अपस्ट्रीम की ओर बढ़े।

ग्वालियर ग्लोरी स्कूल ने जीती स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता-2026 का मुख्य आयोजन राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में शहर के 22 प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने डिबेट (वाद-विवाद) और प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद प्रतियोगिताओं के परिणामों में ग्वालियर ग्लोरी स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रगति विद्यापीठ ने दूसरा व ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यालयों के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मंच पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के जरिए शहर में स्वच्छता को लेकर जनभागीदारी बढ़ाना है।

वहीं निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने कचरे के सही पृथक्करण (सूखा व गीला कचरा अलग करने) और कचरा वाहन में ही डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ग्वालियर ऐप पर स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें दर्ज करने पर 48 घंटे में समाधान होगा। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने कहा कि यह अभियान एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा।

शक्कर कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर खाद्य विभाग की जांच

दो प्रतिष्ठानों पर मिली 1407 क्विंटल शक्कर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शासन द्वारा जारी चीनी नियंत्रण आदेश के पालन को लेकर खाद्य विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को शहर के शक्कर व्यापारियों के प्रतिष्ठानों और गोदामों की जांच की। कार्रवाई के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों पर निर्धारित सीमा के भीतर शक्कर का भंडारण पाया गया। खाद्य विभाग की टीम सबसे पहले मैना वाली गली स्थित मुदित ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान और सामने स्थित गोदाम पहुंची। जांच में दोनों स्थानों पर कुल 1253 क्विंटल शक्कर भंडारित मिली। इसके बाद टीम ने दाल बाजार स्थित रामबाबू गोविंददास अग्रवाल के प्रतिष्ठान की जांच की, जहां 154 क्विंटल शक्कर मिली।

दोनों प्रतिष्ठानों पर कुल 1407 क्विंटल शक्कर पाई गई, जो शासन द्वारा निर्धारित 4000 क्विंटल की अधिकतम सीमा के भीतर है। अधिकारियों ने व्यापारियों को चीनी नियंत्रण आदेश के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि भंडारित शक्कर का विक्रय क्रय दिनांक से 30 दिन के भीतर करना आवश्यक है। सभी व्यापारियों को निर्देश दिए गए कि शक्कर का भंडारण केवल लाइसेंस में दर्ज व्यापार स्थल या गोदाम में ही करें और भारत सरकार के पोर्टल पर स्टॉक की जानकारी नियमित रूप से अद्यतन रखें। अधिकृत स्थल के अलावा कहीं अन्य स्थान पर शक्कर मिलने पर उसे अनाधिकृत भंडारण मानकर जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। व्यापारियों को लेखा-जोखा भी नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई में जिला आपूर्ति नियंत्रक अरविंद सिंह भदौरिया सहित सहायक आपूर्ति अधिकारी महावीर सिंह राठौर, संजीव शर्मा, सौरभ जैन, पूजा तोमर और सारिका कुशवाह शामिल रहे।

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ने किया केन्द्रीय जेल का निरीक्षण

ग्वालियर। प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललित किशोर ने गुरुवार को केन्द्रीय जेल ग्वालियर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों को दिए जाने वाले भोजन सहित उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में पड़ताल की गई। निरीक्षण के दौरान एसएसपी धर्मवीर सिंह भी मौजूद थे। उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को केन्द्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश ललित किशोर ने निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध बंदियों की रहने की स्थिति, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की सघन समीक्षा की।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे-मुन्ने

भितरवार। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर मध्यप्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में नगर स्थित अशासकीय विद्यालय एसआईटीएम पब्लिक स्कूल में भी जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर पूरी तरह कृष्णमय नजर आया। कार्यक्रम में विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, बाल स्वरूप और उनकी विभिन्न लीलाओं पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नन्हे-मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजकर विद्यालय पहुंचे। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और मासूम अंदाज ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। विद्यालय की प्राचार्य चेतना भार्गव ने बताया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व से परिचित कराना है। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल सरिता पाल गिरजेश, अजीत खान, कमल सिंह सरदार, सतेंद्र यादव, रामप्रकाश पवैया, ब्रजेंद्र मोदी, संजय, जी.आर. कंसाना, मोहित साहू, शिवानी शर्मा, अंजलि पाराशर, सुमन भार्गव, वर्षा रावत, दीप्ती अग्रवाल, सलोनी लखेरे, स्वाती यादव, यामिनी मोदी, कशिश रावत, तनमीत कौर, हरप्रीत कौर, सपना रावत, प्रीति शर्मा, रंजना शर्मा सहित बच्चे एवं पालक उपस्थित रहे।

जर्जर भवनों का सर्वे शुरू

डबरा। जंगीपुरा क्षेत्र में जर्जर मकान की छत गिरने से मां और उसके दो वर्षीय मासूम बेटे की मौत की दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन ने शहर के जर्जर एवं पुराने भवनों को लेकर गंभीरता दिखाई है। हादसे के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से देवधनी मंदिर, जंगीपुरा के पास स्थित एक जर्जर मकान की स्थिति की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाई गई। सूचना मिलते ही डबरा एसडीएम नवकिरण सिंह कौर के निर्देश पर नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और भवन का निरीक्षण किया। टीम ने भवन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित परिवार को सतर्क रहने तथा सावधानी बरतने की सलाह दी।

रेलवे ठेकेदार ने बंद किया मार्ग, 40 गांव प्रभावित

आंतरी। नगर परिषद आंतरी के वार्ड क्रमांक 12 स्थित एराया रोड गेट क्रमांक 407 का मार्ग रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते पूरी तरह बंद कर दिए जाने से करीब 40 गांवों के ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। रास्ता बंद होने से सबसे अधिक परेशानी आसपास के गांवों से आंतरी स्थित विद्यालयों में आने वाले छात्र-छात्राओं को हो रही है। ग्रामीणों को अब करीब 25 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर आंतरी पहुंचना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, एराया रोड गेट क्रमांक 407 पर हिंदुस्तान स्टील एसके कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कंपनी द्वारा पिछले करीब दो वर्षों से ओवरब्रिज निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले ठेकेदार द्वारा आवागमन के लिए सर्विस रोड तैयार की जानी थी, लेकिन सर्विस रोड बनाए बिना ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। अब 23 तारीख से ठेकेदार द्वारा मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मार्ग इस तरह बंद किया गया है कि ग्रामीण केवल पैदल ही निकल पा रहे हैं। किसानों को अपने खेतों तक वाहन ले जाने में भी परेशानी हो रही है।

3.08 लाख रुपए कीमत के 10 मोबाइल बरामद

ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चुराने वाला शातिर चोर पकड़ा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीआरपी थाना ग्वालियर बीजी पुलिस ने ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3 लाख 8 हजार रुपए कीमत के 10 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एडीजी रेल मध्यप्रदेश राजाबाबू सिंह, डीआईजी रेल पंकज श्रीवास्तव और एसपी रेल भोपाल अंकित जायसवाल के निर्देश पर एएसपी रेल नीतू डाबर एवं डीएसपी रेल ग्वालियर राम स्नेही चौहान के मार्गदर्शन में ट्रेनों और रेलवे स्टेशन पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 2 सितंबर को जीआरपी थाना ग्वालियर बीजी की थाना प्रभारी निरीक्षक दीपशिखा सिंह तोमर को मुखबिर से आरोपी के संबंध में सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर फरार चल रहे आरोपी अनिकेत परिहार (20) पिता राजेन्द्र सिंह, निवासी झंडाधारी हनुमान मंदिर के पास, लोको, थाना पड़ाव, ग्वालियर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 10 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

यात्रियों के सोने के बाद करता था चोरी

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह ट्रेनों में यात्रियों के सो जाने के बाद उनके मोबाइल फोन चोरी करता था। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला तो उसके खिलाफ पहले से चार अपराध दर्ज पाए गए। इनमें जीआरपी ग्वालियर बीजी में एमपीडीपीके एक्ट का मामला तथा थाना कंपू में दर्ज प्रकरण भी शामिल हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपशिखा सिंह तोमर के साथ प्रधान आरक्षक लवकुश सिंह, मनोज सिंह, जितेन्द्र सिंह, सदागोविन्द तथा आरक्षक शिवकुमार, सौरभ सिंह, सचिन गुप्ता, नरेश सिंह, रवि सिकरवार और महिला आरक्षक राखी सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

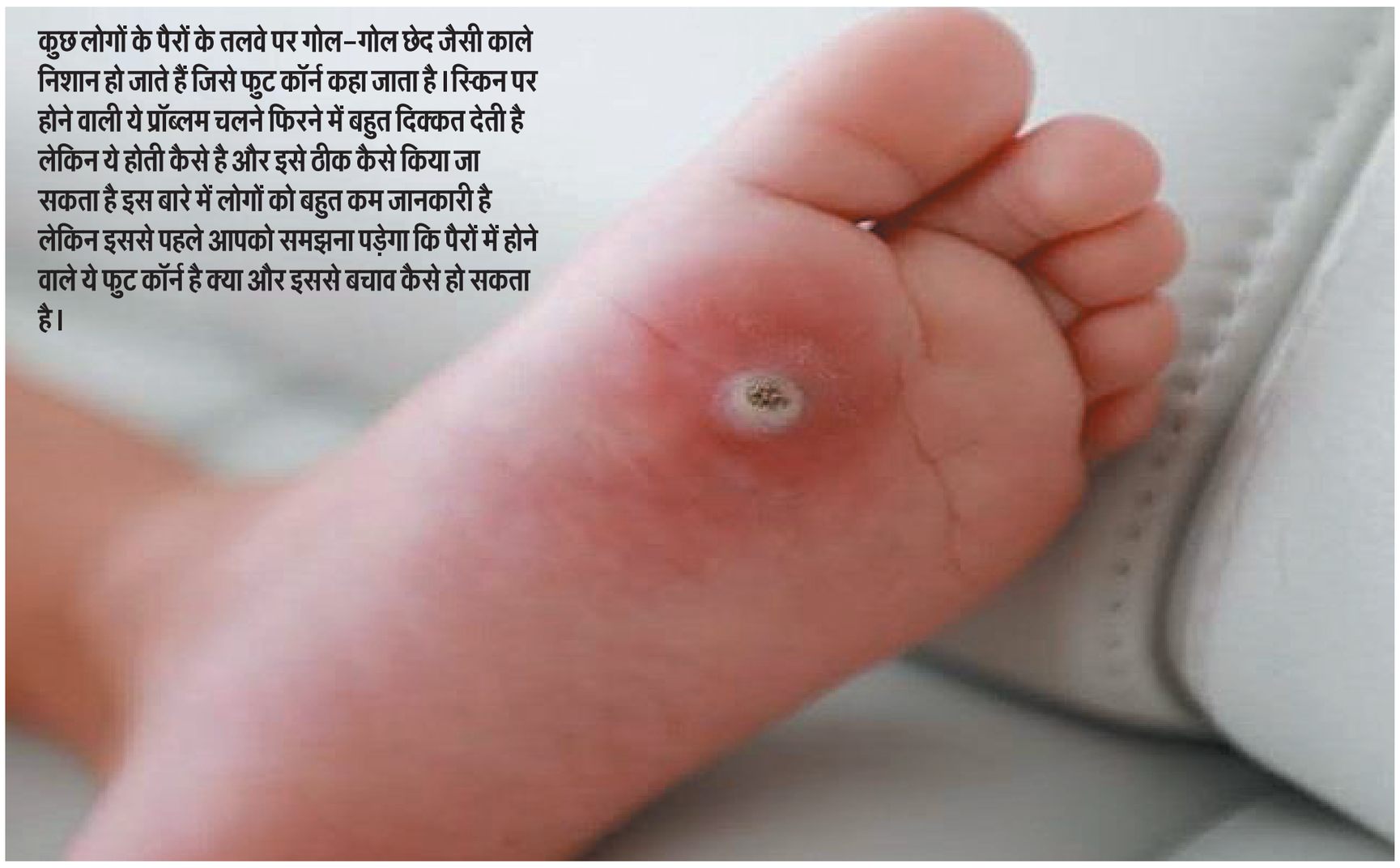

कुछ लोगों के पैरों के तलवे पर गोल-गोल छेद जैसी काले निशान हो जाते हैं जिसे फुट कॉर्न कहा जाता है। स्किन पर होने वाली ये प्रॉब्लम चलने फिरने में बहुत दिक्कत देती है लेकिन ये होती कैसे है और इसे ठीक कैसे किया जा सकता है इस बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है लेकिन इससे पहले आपको समझना पड़ेगा कि पैरों में होने वाले ये फुट कॉर्न है क्या और इससे बचाव कैसे हो सकता है।

पैरों में फुट कॉर्न होने के मुख्य कारण

फुट कॉर्न क्या है?

पैरों में होने वाला फुट कॉर्न त्वचा की एक प्राकृतिक सुरक्षात्मक प्रतिक्रिया है। जब पैर की त्वचा पर लंबे समय तक लगातार दबाव या घर्षण होता है तो शरीर उस हिस्से को बचाने के लिए मृत त्वचा कोशिकाओं की मोटी और सख्त परत बना लेता है। यही परत धीरे-धीरे कॉर्न का रूप ले सकती है। यह आमतौर पर पैर की उंगलियों, उंगलियों के बीच या तलवों के उन हिस्सों में बनता है, जहां जूते या शरीर का वजन लगातार दबाव डालता है।

पैरों में फुट कॉर्न होने के मुख्य कारण

तंग जूते पहनना: बहुत टाइट, नुकीले या ऊंची एड़ी वाले जूते पैर की उंगलियों और तलवों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं। लगातार दबाव और घर्षण के कारण उस जगह की त्वचा मोटी होकर कॉर्न का रूप ले सकती है।

बिना मोजे के जूते पहनना: बिना मोजे के जूते पहनने पर पैर और जूते के बीच सीधा घर्षण बढ़ सकता है। इससे त्वचा पर बार-बार रगड़ पड़ती है और कॉर्न बनने की संभावना बढ़ सकती है।

लंबे समय तक खड़े रहना या चलना: जिन लोगों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है या रोजाना ज्यादा चलना पड़ता है, उनके पैरों पर लगातार दबाव पड़ सकता है। यह भी फुट कॉर्न का एक कारण बन सकता है।

पैरों की बनावट: कुछ लोगों के पैरों की हड्डियों या उंगलियों की बनावट ऐसी होती है कि जूते पहनने पर किसी खास हिस्से पर ज्यादा दबाव पड़ता है। हैमर टो जैसी समस्या में भी कॉर्न बनने का खतरा बढ़ सकता है।

नंगे पैर ज्यादा चलना: नंगे पैर चलने से पैरों के तलवों पर सीधे जमीन का दबाव और घर्षण पड़ता है। लगातार ऐसा होने पर त्वचा मोटी और सख्त हो सकती है।

फुट कॉर्न के लक्षण

फुट कॉर्न को पहचानना आमतौर पर मुश्किल नहीं होता। इसके प्रमुख लक्षण हैं:

त्वचा पर गोल या अंडाकार सख्त हिस्सा बनना

प्रभावित जगह की त्वचा का मोटा होना

चलने या दबाव पड़ने पर दर्द या संवेदनशीलता

पैर की उंगलियों के बीच नरम कॉर्न बनना

प्रभावित हिस्से में जलन या असहजता

ध्यान रखें कि कॉर्न और कैलस एक जैसी चीजें नहीं हैं। कॉर्न आमतौर पर छोटा, ज्यादा स्पष्ट और दबाव पड़ने पर दर्दनाक हो सकता है, जबकि कैलस त्वचा का अपेक्षाकृत बड़ा और फैला हुआ मोटा हिस्सा होता है।

फुट कॉर्न से बचने के लिए क्या करें?

सही फिटिंग वाले जूते पहनें।

बहुत टाइट या नुकीले जूतों से बचें।

जरूरत के अनुसार आरामदायक कॉटन मोजे पहनें।

लंबे समय तक एक ही तरह के जूते पहनने से बचें।

पैरों को साफ और सूखा रखें।

ऐसे फुटवियर चुनें जिनमें उंगलियों को पर्याप्त जगह मिले।

यदि पैरों पर लगातार दबाव पड़ता है तो डॉक्टर की सलाह से कुशन या इनसोल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ये बातें याद रखें

फुट कॉर्न आमतौर पर पैर पर बार-बार पड़ने वाले दबाव और घर्षण के कारण बनता है। सही आकार के आरामदायक जूते पहनना, पैरों को साफ-सूखा रखना और लगातार दबाव से बचना इसके खतरे को कम कर सकता है। अगर कॉर्न दर्दनाक है या बार-बार हो रहा है, तो घरेलू तरीके से इसे काटने के बजाय विशेषज्ञ से सलाह लेना ज्यादा सुरक्षित है।

क्या फुट कॉर्न को खुद काटना सही है?

फुट कॉर्न को ब्लेड, कैंची या किसी नुकीली चीज से खुद काटने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से त्वचा कट सकती है और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। खासकर डायबिटीज, पैरों में संवेदना कम होने या ब्लड सर्कुलेशन की समस्या वाले लोगों को कॉर्न का खुद इलाज करने से बचना चाहिए।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

अगर कॉर्न में लगातार दर्द हो, चलने में परेशानी हो, उसमें लालपन या सूजन दिखाई दे, घाव बन जाए या समस्या बार-बार वापस आती रहे, तो डॉक्टर या फुट स्पेशलिस्ट से जांच करवाना बेहतर है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार मोटी त्वचा को सुरक्षित तरीके से हटा सकते हैं और कॉर्न बनने की वजह, जैसे गलत फुटवियर या पैर की बनावट, का समाधान बता सकते हैं।

क्या सिरदर्द से हैं परेशान? महंगी दवाइयां नहीं घर पर बनी ये चाय है सिर्फ इसका इलाज

सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, जिसे हममें से कई लोग अक्सर जूझते हैं। कुछ लोगों का सिरदर्द इतना भयंकर होता है कि बर्दाश्त से बाहर हो जाता है। अगली बार जब आपको सिरदर्द हो, तो इसे खुद को परेशान न करने दें और न ही अपने पूरे दिन को खराब होने दें। इसके बजाय, किचन में जाएं और एक खास आयुर्वेदिक चाय बनाएं।

कुछ दिन पहले आयुर्वेद एक्सपर्ट ने इंस्टाग्राम पर एक हेल्दी ड्रिंक की आसान रेसिपी शेयर की थी, जो सिरदर्द से राहत दिलाने में मदद करती है। इस ड्रिंक को बनाने के लिए जरूरी चीज़ें आसानी से मिल जाती हैं। आपको बस एक गिलास पानी, आधा चम्मच अजवाइन, एक दरदरी कुटी हुई इलायची, एक बड़ा चम्मच धनिया पत्ती और पांच पुदीने की पत्तियों की जरूरत होगी। सभी चीज़ों को एक साथ मध्यम आंच पर तीन मिनट तक उबालें और आपके सिरदर्द का इलाज तैयार है।

पोस्ट के कैप्शन में बताया गया कि अजवाइन कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे पेट फूलना, अपच, खांसी, सर्दी, डायबिटीज और अस्थमा से निपटने में मदद करती है। धनिया के बीज मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने, माइग्रेन के सिरदर्द, हार्मोनल संतुलन और थायरॉयड के लिए सबसे अच्छे होते हैं। आयुर्वेद एक्सपर्ट का कहना है कि पुदीने की पत्तियां चाय की लत छोड़ने में मदद करती हैं। ये मूड स्विंग्स, नींद न आने की समस्या, एसिडिटी, माइग्रेन और कोलेस्ट्रॉल में भी फायदेमंद हैं। इस रेसिपी में इस्तेमाल होने वाली आखिरी चीज़ इलायची है, जो मोशन सिकनेस, जी मिचलाने, माइग्रेन और हाई ब्लड प्रेशर के लिए अच्छी होती है। इलायची त्वचा और बालों की क्वालिटी को बेहतर बनाने में भी मदद करती है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

अचानक चक्कर के साथ घूमने लगता सिर तो ये वर्टिगो की समस्या, पहले ही गौर कर लें

वर्टिगो की समस्या, आजकल ये नाम आप बहुत ही आम सुन रहे होंगे, ऐसी समस्या जिस में ऐसा लगता है कि आपका सिर,कमरा और आसपास की चीजें घूम रही हैं या आपकी बॉडी का बैलेंस खराब हो रहा है। आम भाषा में तो इसे चक्कर आना ही कहा जाता है लेकिन हर तरह का चक्कर वर्टिगो नहीं होता। वर्टिगो में खासतौर पर चारों तरफ के घूमने जैसा एहसास होता है। इसके साथ मतली, उल्टी, चलने में असंतुलन या सिर हिलाने पर परेशानी भी हो सकती है। वर्टिगो खुद कोई बीमारी नहीं बल्कि किसी दूसरी समस्या का लक्षण हो सकता है। इसका सबसे आम कारण आंतरिक कान की समस्या होती है, हालांकि कुछ मामलों में यह मस्तिष्क या नसों से जुड़ी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है।

चलिए आसान भाषा में वर्टिगो को समझें

हमारे शरीर का संतुलन बनाए रखने में आंखें, दिमाग और कान के अंदर मौजूद वेस्टिब्युलर सिस्टम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आंतरिक कान में मौजूद छोटी-सी संरचना शरीर की स्थिति और सिर की गति के बारे में दिमाग को जानकारी देती है। जब इस सिस्टम में गड़बड़ी होती है, तो दिमाग को शरीर की स्थिति के बारे में मिलने वाले संकेतों में असंतुलन पैदा हो सकता है। इसका नतीजा चक्कर या घूमने जैसा एहसास हो सकता है। यही वजह है कि कुछ लोगों को बिस्तर पर करवट बदलते ही या ऊपर-नीचे देखने पर अचानक कमरा घूमता हुआ महसूस होता है।

वर्टिगो और सामान्य चक्कर में क्या अंतर है?

सामान्य चक्कर में व्यक्ति को कमजोरी, हल्कापन या बेहोशी जैसा महसूस हो सकता है। वहीं वर्टिगो में मुख्य रूप से घूमने या आसपास की चीजों के घूमने का एहसास होता है। उदाहरण के लिए, अगर आपको लगे कि आप स्थिर बैठे हैं लेकिन कमरा गोल-गोल घूम रहा है, तो यह वर्टिगो का लक्षण हो सकता है।

वर्टिगो के मुख्य कारण क्या हैं?

यह वर्टिगो के आम कारणों में से एक है। इसमें सिर की स्थिति बदलने पर अचानक चक्कर आने लगता है। जैसे बिस्तर पर करवट लेते समय, लेटने के बाद उठते समय या ऊपर देखने पर कुछ सेकंड से लेकर थोड़ी देर तक घूमने जैसा महसूस हो सकता है।

कान के अंदर संक्रमण या सूजन

आंतरिक कान में संक्रमण या सूजन होने पर शरीर का संतुलन प्रभावित हो सकता है। इसके कारण चक्कर के साथ कान में भारीपन, सुनाई देने में परेशानी या कान में आवाज आने जैसी समस्या भी हो सकती है।

मेनियर डिजीज

मेनियर डिजीज आंतरिक कान से जुड़ी एक स्थिति है। इसमें बार-बार वर्टिगो के दौरे, कान में आवाज यानी टिनिटस, कान में दबाव या सुनने की क्षमता में बदलाव हो सकता है।

.माइग्रेन

कुछ लोगों में माइग्रेन के साथ भी वर्टिगो हो सकता है। इसमें जरूरी नहीं कि हर बार तेज सिरदर्द हो। चक्कर, रोशनी या आवाज से परेशानी और संतुलन बिगड़ना भी हो सकता है।

सिर पर चोट

सिर या कान के आसपास चोट लगने के बाद भी वर्टिगो की समस्या शुरू हो सकती है। अगर चोट के बाद लगातार चक्कर, उल्टी या संतुलन बिगड़ रहा हो तो चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

कुछ दवाओं का असर

कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में चक्कर या संतुलन की समस्या हो सकती है। अगर किसी नई दवा को शुरू करने के बाद समस्या शुरू हुई है, तो डॉक्टर को इसकी जानकारी दें।

मस्तिष्क से जुड़ी समस्या

कम मामलों में वर्टिगो स्ट्रोक, मल्टीपल स्केलेरोसिस या मस्तिष्क से जुड़ी दूसरी समस्याओं के कारण भी हो सकता है। इसलिए अचानक और गंभीर वर्टिगो को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

वर्टिगो के लक्षण

वर्टिगो में हर व्यक्ति के लक्षण अलग हो सकते हैं। इसके सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:

आसपास की चीजों के घूमने जैसा महसूस होना

खुद के घूमने या हिलने का एहसास

चलते समय संतुलन बिगड़ना

सिर घुमाने पर चक्कर बढ़ना

मतली या उल्टी

आंखों के सामने चीजों का हिलता या घूमता हुआ दिखना

पसीना आना

कान में आवाज आना

कान में दबाव या भारीपन

कुछ मामलों में सुनने की क्षमता में बदलाव

सुबह उठते ही चक्कर क्यों आते हैं?

अगर बिस्तर से उठते या करवट बदलते समय कुछ सेकंड के लिए अचानक कमरा घूमने लगता है, तो बीपीपीवी जैसी समस्या इसकी एक वजह हो सकती है। हालांकि, बार-बार ऐसा होने पर इसे केवल कमजोरी मानकर छोड़ना सही नहीं है। डॉक्टर जरूरत पड़ने पर कान और संतुलन से जुड़ी जांच कर सकते हैं।

वर्टिगो से बचने के लिए क्या करें?

वर्टिगो से बचाव पूरी तरह उसके कारण पर निर्भर करता है। फिर भी कुछ सामान्य सावधानियां मदद कर सकती हैं।

धीरे-धीरे स्थिति बदलें: अचानक बिस्तर से उठने के बजाय पहले कुछ समय बैठें और फिर धीरे से खड़े हों।

सिर को अचानक न घुमाएं: अगर सिर की गति से चक्कर बढ़ता है तो अचानक ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं देखने से बचें।

पर्याप्त पानी पिएं: शरीर में पानी की कमी से चक्कर की समस्या बढ़ सकती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेते रहें।

शराब और धूम्रपान से बचें: ये कुछ लोगों में चक्कर और संतुलन की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

नींद पूरी करें: पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या शरीर के संतुलन और सामान्य स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

गाड़ी चलाने से बचें: चक्कर या वर्टिगो का दौरा पड़ रहा हो तो वाहन चलाना या ऊंचाई पर काम करना खतरनाक हो सकता है।

वर्टिगो होने पर तुरंत क्या करें?

अगर अचानक चक्कर आने लगे तो तुरंत बैठ जाएं या सुरक्षित जगह पर लेट जाएं। सीढ़ियों, बालकनी या ऐसी जगहों से दूर रहें जहां गिरने का खतरा हो। जब तक चक्कर कम न हो जाए, अचानक खड़े होने या चलने की कोशिश न करें।

बार-बार होने वाले वर्टिगो में डॉक्टर कारण के अनुसार वेस्टिब्युलर रिहैबिलिटेशन, विशेष एक्सरसाइज जैसे एप्ली मैन्यूवर, दवाएं या अन्य उपचार की सलाह दे सकते हैं। बीपीपीवी में कुछ विशेष पोजिशनिंग एक्सरसाइज काफी प्रभावी हो सकती हैं, लेकिन इन्हें सही तरीके से करना जरूरी है।

कब वर्टिगो गंभीर हो सकता है?

अगर चक्कर अचानक बहुत तेज शुरू हुआ है और इसके साथ इनमें से कोई लक्षण दिखाई दे, तो इसे सामान्य चक्कर समझकर इंतजार न करें:

चेहरे, हाथ या पैर में अचानक कमजोरी या सुन्नपन

बोलने या समझने में परेशानी

चलने में बहुत ज्यादा दिक्कत

अचानक तेज सिरदर्द

दो-दो दिखाई देना

बेहोशी

सीने में दर्द

लगातार उल्टी

अचानक सुनाई देना कम होना

ऐसे लक्षण स्ट्रोक जैसी आपात स्थिति का संकेत हो सकते हैं और तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत होती है।

क्या वर्टिगो हमेशा गंभीर बीमारी का संकेत है?

नहीं। हर वर्टिगो ब्रेन ट्यूमर या स्ट्रोक का संकेत नहीं होता। ज्यादातर मामलों में इसका संबंध आंतरिक कान की समस्या, BPPV, माइग्रेन या दूसरी अपेक्षाकृत सामान्य स्थितियों से हो सकता है। लेकिन अगर चक्कर पहली बार बहुत तेज हुआ है, बार-बार हो रहा है, लंबे समय तक बना रहता है या इसके साथ न्यूरोलॉजिकल लक्षण हैं, तो डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है।

नोट: सिर घूमना या आसपास की चीजों के घूमने जैसा महसूस होना वर्टिगो हो सकता है। इसका सबसे आम कारण आंतरिक कान से जुड़ी समस्या है, लेकिन माइग्रेन, सिर की चोट, कुछ दवाएं और कुछ न्यूरोलॉजिकल स्थितियां भी इसकी वजह बन सकती हैं। इसलिए लगातार या बार-बार होने वाले चक्कर को केवल कमजोरी मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सही कारण की पहचान होने पर वर्टिगो का इलाज और नियंत्रण संभव है।

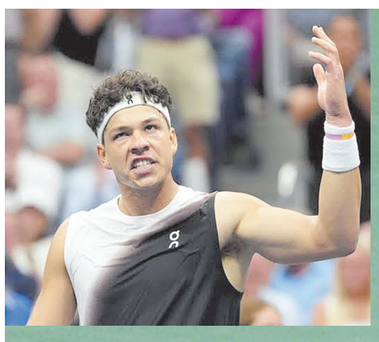

सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार 16वीं जीत

53 मिनट में जीतीं; पेगुला-मेदवेदेव और अल्काराज भी तीसरे राउंड में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे यूएस ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्चेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। विमेंस में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

सबालेंका आक्रामक अंदाज में खेलीं

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्चेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया। सबालेंका की यूएस ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा।

पेगुला ने केनिन को 56 मिनट में हराया

महिला सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराया। पेगुला ने यह मुकाबला 56 मिनट में जीता। 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन केनिन को पूरे मैच में वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला। पेगुला अगले दौर में कनाडा की लेयला फर्नांडीज से खेलेंगी। फर्नांडीज ने थाईलैंड की मननचाया सावांगकाएव को 6-4, 6-1 से हराया।

शेल्टन ने हुरकाज को हराया, नाकाशिमा बाहर

वहीं, मेन्स सिंगल्स के अन्य मैच में अमेरिकन खिलाड़ी बेन शेल्टन ने पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज को कड़े मुकाबले में 6-3, 5-7, 7-6 , 7-5 से हराया। शेल्टन यूएस ओपन में लगातार चौथी बार तीसरे दौर में पहुंचे हैं। वहीं, अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशिमा को उनके ही देश के एलेक्स माइकलसन ने 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया।

बारिश से बाहरी कोर्ट पर खेल प्रभावित

न्यूयॉर्क में बारिश के कारण बाहरी कोर्ट पर मुकाबले प्रभावित हुए। कुछ मैचों को रोकना पड़ा, जबकि आर्थर ऐश और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के कवर होने के कारण वहां मुकाबले जारी रहे। बारिश की वजह से टूर्नामेंट के पहले दौर के कुछ मैच भी बुधवार तक खिंच गए।

मेदवेदेव के मैच में आईं दो चिड़ियां

पुरुष सिंगल्स में मेदवेदेव ने अमेरिका के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सेबेस्टियन गोर्जनी को 6-1, 6-3, 7-5 से हराया। मैच के दौरान लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में नेट पर दो छोटी चिड़ियां आ बैठीं। इस वजह से एक पॉइंट दोबारा खेलना पड़ा और मेदवेदेव इस फैसले से नाराज भी दिखे।

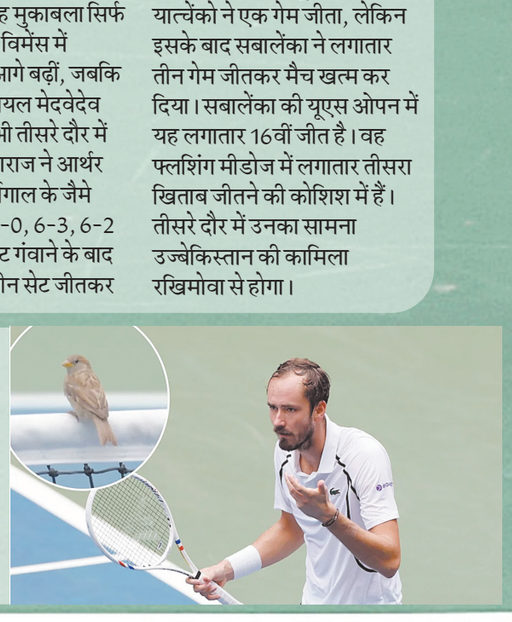

जूनियर एशिया कप

खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने-अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चीन के मोकी में 4 से 13 सितंबर तक होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी, जबकि पुरुष टीम रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी अपने नाम करने का लक्ष्य रखेगी।

महिला टीम की नजर लगातार तीसरे खिताब पर: भारतीय जूनियर महिला टीम ने पिछली दो प्रतियोगिताओं में खिताब जीता है और इस बार टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेम चानू करेंगी। टीम ने नए मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में लंबे समय तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण किया है। टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका की अंडर-21, इंग्लैंड की अंडर-21 और बेल्जियम की अंडर-21 टीमों के खिलाफ सात मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अलग-अलग खेल शैलियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का मौका मिला। कोच टिम व्हाइट ने कहा कि टीम ने परिस्थितियों के साथ अच्छी तरह तालमेल बैठा लिया है और दक्षिण कोरिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में कई महीनों की तैयारी और इंग्लैंड दौरे के बाद टीम एशिया की मजबूत टीमों का सामना करने के लिए तैयार है।

पुरुष टीम के सामने छठी बार खिताब जीतने की चुनौती: भारतीय जूनियर पुरुष टीम भी गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। भारत अब तक पांच बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जिसमें पिछले तीन संस्करणों की ट्रॉफियां भी शामिल हैं। इस बार डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज के कार्यकाल की शुरुआत खिताबी जीत के साथ करने का लक्ष्य होगा।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज टी20 के टिकट ऑनलाइन मिलेंगे

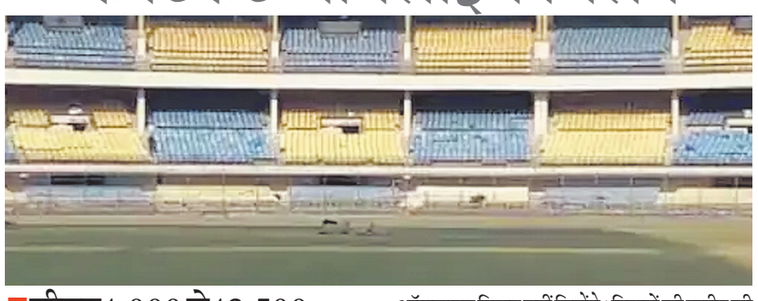

- कीमत 1,000 से 12,500 रुपए तक, एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट ले सकेगा

एजेंसी, इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टिकट की कीमतें तय कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) ने बुधवार को टिकटों के रेट जारी किए। आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1,000, जबकि सबसे महंगा पैवेलियन टिकट 12,500 का होगा। मैच के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन मिलेंगे। अन्य कैटेगरी के टिकटों के रेट भी जारी किए जाएंगे।

जोमैटो होगा आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर

MPCA ने मैच के लिए जोमैटो को आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग पार्टनर बनाया है। टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन होगी। स्टेडियम के काउंटर से ऑफलाइन टिकट नहीं मिलेंगे। टिकटों की खरीद की सीमा भी तय की गई है। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकेगा। ये टिकट एक ही कैटेगरी के या अलग-अलग कैटेगरी के हो सकते हैं।

टिकट बिक्री की तारीख का ऐलान बाकी

MPCA ने टिकटों की कीमतें घोषित कर दी हैं, लेकिन ऑनलाइन बिक्री किस तारीख और किस समय शुरू होगी, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। एसोसिएशन की ओर से टिकटिंग प्लेटफॉर्म की तैयारियां पूरी होने के बाद बिक्री की तारीख घोषित की जाएगी।

5 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की T20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का तीसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होगा। यह होलकर स्टेडियम में खेला जाने वाला 5वां T20 इंटरनेशनल मैच होगा।

चाइना मास्टर्स: श्रीकांत ने विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के मुकाबले में कनाडा के लाई को 21-18, 21-19 से हराया। श्रीकांत ने एक घंटे से भी कम समय चले मुकाबले में संयमित और प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों गेमों में महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य बनाए रखा और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। लाई हाल के दिनों में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने चाइना मास्टर्स के पहले दौर में भारत के लक्ष्य सेन को हराया था। इससे पहले लाई ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। इसके बावजूद श्रीकांत ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। श्रीकांत ने टूर्नामेंट की शुरुआत भी आत्मविश्वास के साथ की थी। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के विश्व नंबर-21 ची यू-जेन को महज 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना हांगकांग चीन के ली च्युक यियू से होगा। ली ने अंतिम-16 के मुकाबले में विश्व नंबर-9 तोमा पोपोव को हराकर अगले दौर में जगह बनाई है।

एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी, इंडोनेशिया से मैच था

श्रीलंका की कप्तान चमारी ने 5 रन देकर 7 विकेट लिए, हैट्रिक भी बनी

एजेंसी, दुबई

दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए। अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं। चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया। उन्होंने 19वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया।

जावेरिया खान का रिकॉर्ड टूटा

इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड भी तोड़ा: अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं। इससे पहले टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के विमेंस एडिशन में पाकिस्तान की तीन और थाईलैंड की एक गेंदबाज 5-5 विकेट ले चुकी थीं। मेंस टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप में भुवनेश्वर कुमार 5 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं।

7 विकेट लेने वालीं दुनिया की दूसरी कप्तान बनीं

चमारी अटापट्टू किसी टी-20 इंटरनेशनल मैच में 7 विकेट लेने वाली दुनिया की सिर्फ दूसरी कप्तान बनी हैं। उनसे पहले अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स ने यह कारनामा किया था। स्टॉक्स ने 14 अक्टूबर 2022 को पेरू के खिलाफ 3.4 ओवर में 3 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे।

रोहित के संन्यास पर बीसीसीआई बोला- वो शानदार खेल रहे

सचिव ने कहा- पिछले मैच में शतक लगाया, आप और क्या चाहते हैं

एजेंसी, मुंबई

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने यह बातें गुरुवार को बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग के बाद मीडिया के सवालों पर कहीं। सैकिया से पूछा गया था कि हर सीरीज से पहले टीम में रोहित की जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अब टीवी डेब्यू कर रहे

रोहित अब मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह टीवी गेम शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' से डेब्यू करेंगे। शो की शूटिंग शुरू हो चुकी है। रोहित इसे होस्ट करेंगे। शो का प्रीमियर 19 सितंबर को सोनी टीवी और सोनी लिव पर होगा।

रिव्यू मीटिंग में सिलेक्टर्स के कार्यकाल पर चर्चा नहीं हुई

रिव्यू मीटिंग में हेड कोच गौतम गंभीर, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेड लक्ष्मण शामिल हुए। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर शामिल नहीं हुए। सैकिया ने बताया कि अगरकर आउट ऑफ स्टेशन थे। इस वजह से मीटिंग में नहीं जुड़ सके। वे ऐसी जगह पर थे, जहां से ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।

रोहित के संन्यास की अटकलें थी

इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की अटकलें लगाई जा रही थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सिलेक्टर्स ने रोहित से कहा था कि आप टीम के प्लांस में नहीं है। इसके पर नाराज रोहित रिटायरमेंट के लिए मान गए थे।

लक्ष्मण एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष टीम के कोच होंगे

एजेंसी, मुंबई

नेशनल क्रिकेट एकेडमी के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण इस महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष टीम के कोच होंगे। स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ने कोचों की लिस्ट जारी की है। लक्ष्मण ने 2023 में चीन के हांगझोउ में हुए एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम को कोचिंग दी थी, जहां टीम ने गोल्ड मेडल जीता था।

गंभीर वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रहेंगे

टीम के रेगुलर हेड कोच गौतम गंभीर वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान सीनियर टीम के साथ रहेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे 27 सितंबर से शुरू होगा। एशियन गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी।

महिला टीम की कमान मजुमदार के पास

अमोल मजुमदार भारतीय महिला टीम की कमान संभालना जारी रखेंगे। पिछली बार कानिटकर की कोचिंग में महिला टीम ने भी गोल्ड मेडल जीता था। मजुमदार के साथ गेंदबाजी कोच आविष्कार सालवी और फील्डिंग कोच मुनीश बाली रहेंगे। भारतीय महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ क्वार्टरफाइनल से करेगी। पुरुष टीम का मुकाबला ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं।

धोनी आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नहीं बनेंगे

नई दिल्ली। एमएस धोनी आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलना चाहते हैं। वह फुलटाइम विकेटकीपर के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होना चाहते हैं। यह दावा बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स में उनके टीममेट रहे पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने किया। उन्होंने यूट्यूब वीडियो में दावा किया कि धोनी ने खुद उनसे यह बात कही कि वह पूरे 20 ओवर मैदान पर रहना चाहते हैं। धोनी 2026 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने एक भी मैच नहीं खेला था। 2027 सीजन में भी वे खेलेंगे या नहीं, इस पर धोनी या टीम की ओर से ऑफिशियल बयान अब तक नहीं आया है।

बद्रीनाथ बोले- धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर

मध्य प्रदेश के मलखंब खिलाड़ियों को मिलेगी बड़ी सौगात, उज्जैन में बनेगी मलखंब अकादमी

मंत्री सारंग के प्रयासों से 20 एकड़ में विकसित होगी मलखंब एवं जिम्नास्टिक अकादमी

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश में मलखंब खेल और खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के प्रयासों से बड़ी पहल की जा रही है। प्रदेश में मलखंब खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मलखंब एवं जिम्नास्टिक अकादमी

विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। खेल मंत्री सारंग ने गुरुवार को विभागीय बैठक उक्त जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 20 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाली इस अकादमी में खेल अधोसंरचना, हॉस्टल, आधुनिक खेल उपकरण और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अकादमी की अधोसंरचना के निर्माण के लिए लगभग 86 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। वहीं वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक अकादमी के संचालन के लिए लगभग 25.33 करोड़ रुपये संचालन व्यय का प्रस्ताव है। इस प्रकार कुल प्रस्तावित राशि लगभग 111.33 करोड़ रुपये होगी।

उज्जैन बनेगा मलखंब प्रतिभाओं की नई नर्सरी

अकादमी के संचालन एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, उज्जैन को देने का प्रस्ताव है। प्रारंभिक चरण में उपलब्ध विभागीय अमले से अकादमी की दैनिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। उज्जैन जिले के लिए कुल 12 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें संभागीय खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, लेखापाल, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3 और भृत्य के पद शामिल हैं।

मलखंब की प्रतिभाओं को मिलेगा विश्वस्तरीय मंच

खेल मंत्री सारंग ने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को आधुनिक सुविधाएं, विशेषज्ञ प्रशिक्षण और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि मलखंब मध्यप्रदेश की गौरवशाली खेल परंपरा का हिस्सा है और प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मलखंब अकादमी की स्थापना का उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभाओं को कम उम्र से ही वैज्ञानिक एवं उच्च तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, जिससे हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

नागर सिंह कनेश ने हेप्टाथलॉन में जीता स्वर्ण, कृष्ण चंद्र ने जैवलिन थ्रो में बनाया नया मीट रिकॉर्ड

खेल संवाददाता, भोपाल

पंजाब के लुधियाना स्थित गुरु नानक स्टेडियम में 01 से 03 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। इनमें कृष्ण चंद्र ने जैवलिन थ्रो में नया मीट रिकॉर्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की।

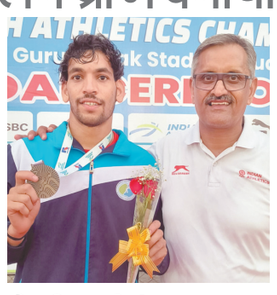

जैवलिन थ्रो में कृष्ण चंद्र का नया मीट रिकॉर्ड

प्रतियोगिता के बुधवार शाम आयोजित मुकाबलों में बॉयज जैवलिन थ्रो स्पर्धा में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी कृष्ण चंद्र ने 79.92 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता का नया मीट रिकॉर्ड भी कायम किया।

हेप्टाथलॉन में नागर सिंह कनेश ने जीता स्वर्ण

हेप्टाथलॉन स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी नागर सिंह कनेश ने 4812 अंकों के शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नागर सिंह ने स्पर्धा के विभिन्न इवेंट्स में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और मध्यप्रदेश को स्वर्णिम सफलता दिलाई।

एनएचएआई की सड़कों की गुणवत्ता जांचने के लिए हाईकोर्ट की टीम ने लिये सैंपल

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर की सड़कों की गुणवत्ता को लेकर तेज बारिश के बावजूद गुरुवार को हाईकोर्ट द्वारा गठित आयोग ने केंद्रीय प्रयोगशाला की मदद से हाईवे के सैंपल लिए। मौके पर मौजूद टीम ने कोर ड्रिलिंग मशीन से डामर की परत का नमूना निकाला। इस नमूने से यह जांचा जाएगा कि सड़क में डामर की मोटाई, घनत्व और सामग्री मानकों के अनुसार है या नहीं। खास बात यह रही कि खराब मौसम के बीच भी टीम ने रेनकोट पहनकर जांच पूरी की। सड़कों की गुणवत्ता की जांच के लिए हाईकोर्ट द्वारा गठित आयोग द्वारा लगातार सैंपलिंग कराई जा रही है। गुरुवार को एनएचएआई की सड़कों की गुणवत्ता जांचने के लिए हाईकोर्ट की टीम हाईवे पर पहुंची। टीम ने यहां स्थित मेहरा टोल प्लाजा से सुबह 10 बजे सैंपलिंग शुरू की। टीम ने मेहरा टोल प्लाजा से सिकरौदा चौराहे तक पांच किमी की दूरी में तीन जगह सैंपल लिए। टीम ने जेसीबी से खुदवाकर मटेरियल निकालकर बोरों और बॉक्स में भरे। सड़कों की बदहाली का मामला हाईकोर्ट में पहुंचने के बाद तीसरी बार वकीलों और तकनीकी विशेषज्ञों के कमीशन ने शहर की सड़कों की सैंपलिंग की।

सैंपल के लिए जेसीबी से कराई सड़क की खुदाई

ग्वालियर शहर की जर्जर और खस्ताहाल सड़कों को लेकर एडवोकेट अवधेश तोमर द्वारा दायर जनहित याचिका पर मप्र हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के आदेश पर सड़कों के सैंपल लिए जा रहे हैं। सड़कों की ऊपरी परत के सैंपल लेने के बाद जेसीबी से सड़क की खुदाई कराई गई। इसके बाद गहराई से सड़कों के सैंपल लिए गए। इस दौरान कमेटी के हिमांशु शर्मा, गौरव समाधिया, पवन रघुवंशी, एसएसपी धर्मवीर सिंह उपस्थित थे।

मुरैना की ओर से आने वाला ट्रैफिक रोका

जांच के दौरान टीम ने मुरैना की ओर से आ रहे भारी ट्रैफिक को बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर तैनात थे। वाहनों को निकलने में परेशानी न हो, इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी तैनात थे। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

एक सड़क से लिए चार-चार सैंपल

वकीलों और तकनीकी विशेषज्ञों का कमीशन सबसे पहले मेहरा टोल पर पहुंचा। यहां सड़क के सैंपल लेकर सील कया गया। टीम ने एक सड़क से चार-चार सैंपल लिए। इनमें से एक सैंपल पीडब्ल्यूडी और दूसरा ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा की लैब में जांचे जाएंगे, जबकि तीसरे सैंपल को देश की किसी प्रतिष्ठित लैब से क्रॉस चेक कराया जा सकता है।

हस्ताक्षर कराकर सील किए सैंपल

जांच निष्पक्ष रहे, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सैंपलिंग से ठीक पहले सूचना दी जाती है, ताकि कोई पूर्व तैयारी या साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ न की जा सके। मौके पर ही सैंपलों को सील बंद किया गया और पंचनामा तैयार कर अधिकारियों के हस्ताक्षर लिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य पर्व पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सच्चिदानंद रूप, धर्म संस्थापक, भक्ति, ज्ञान और कर्मयोग के परम प्रेरणास्रोत भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं हैं। ज्ञान परंपरा से प्रेरित सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से भावी पीढ़ी को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने दी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व की बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन अनेक कष्टों और संघर्षों से भरा रहा, लेकिन वे अपने कर्तव्य से विमुख नहीं हुए। उनका जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी है। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के भीषण युद्ध के बीच कर्मवाद के सिद्धांत द्वारा बताया कि चाहे कैसी भी विकट परिस्थिति हो, हमें बुद्धि और धैर्य का परिचय देते हुए सदैव कर्म और धर्म के सद्मार्ग पर अडिग रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर हो रहे विविध कार्यक्रमों के लिए प्रदर्शित उमंग, उत्साह पर भी हर्ष व्यक्त किया है।

मार्कड्रिल : बिजली बहाली की क्षमता परखी

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने पहली बार ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक पूरी की। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी और इंदिरा सागर जल विद्युत परियोजना, खंडवा के संयुक्त अभ्यास में पूर्ण या आंशिक बिजली गुल होने की स्थिति में विद्युत उत्पादन केंद्र को चरणबद्ध तरीके से दोबारा शुरू करने की क्षमता परखी गई। अभ्यास के दौरान इंदिरा सागर जल विद्युत परियोजना से आपूर्ति लेकर 500 मेगावाट क्षमता वाले सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की आपातकालीन शुरुआत की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया।

[लापरवाही] मध्य प्रदेश ने नहीं दिखाई वायु गुणवत्ता सुधारने में कोई खास रुचि

हवा साफ करने मिले 435 करोड़ रुपए में केवल 52 फीसदी ही खर्च कर सका मप्र

भोपाल सबसे पीछे, जबलपुर ने किया सर्वाधिक खर्च

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदूषित हवा को सुधारने में मप्र ने कोई रूचि नहीं दिखाई है। 435.38 करोड़ रूपये की केंद्रीय मदद के बाद महज 228.37 करोड़ रूपये का खर्च यही बताता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत यह राशि 10 लाख से अधिक आबादी वाले राज्य के 7 शहरों के लिये प्रदान की गई थी।

जानकारी के मुताबिक सड़क की धूल, निर्माण कार्य, ट्रैफिक और खुले में कचरा जलाने से प्रदेश के देवास, सागर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर और जबलपुर जैसे शहरों में प्रदूषण स्थानीय रहवासियों के लिये चुनौती के रूप में सामने है। इसमें सुधार के लिये वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान 435.38 करोड़ रूपये दिये गये। इसके बाद भी इस राशि में सिर्फ 52.45 प्रतिशत का ही उपयोग अब तक हो पाया है। जबकि स्वच्छ हवा के लिए आया इतना बड़ा फंड खर्च नहीं होना सीधे तौर पर सिस्टम की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े कर रहा है।

केन्द्र से मिली राशि में से केवल 238 करोड़ ही हुए खर्च

ग्वालियर ने ज्यादा कर दिया खर्च

दूसरे शहर जहां राशि खर्च नहीं कर पाये हैं। वहीं ग्वालियर की स्थिति अलग है। इसको 35.15 करोड़ रुपए जारी हुए। जबकि उपयोग 39.86 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इसके इतर महाकाल की नगरी उज्जैन को योजना के तहत 32.97 करोड़ रुपए जारी किए गए, जिसमें 12.19 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। सागर को 19.60 करोड़ मिले और 16.53 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया। देवास को 18.06 करोड़ रुपए मिले, जिसमें 7.48 करोड़ खर्च हुए हैं।

एक नजर में आवंटन और खर्च

शहर	राशि	उपयोग
देवास	18.06	7.48
सागर	19.60	16.53
उज्जैन	32.97	12.19
भोपाल	102.80	11.37
ग्वालियर	35.15	39.86
इंदौर	120.64	57.30
जबलपुर	105.56	83.64
कुल	435.38	228.37

राशि करोड़ रूपये में

भोपाल से आगे जबलपुर और इंदौर

आंकड़ों की माने तो केंद्रीय सहायता के उपयोग में संस्कारधानी जबलपुर सबसे आगे है। जिसने 105.56 करोड़ रुपए में से 83.64 करोड़ राशि खर्च कर दी है। 120.64 करोड़ में इंदौर करीब 57.30 करोड़ राशि का उपयोग कर चुका है। इनके मुकाबले भोपाल 102.80 करोड़ रुपए में से केवल 11.37 करोड़ रुपए खर्च कर पाया है। यह कुल राशि का करीब 11.1 फीसदी है।

नहीं दिखे हवा सुधारने के काम

स्वच्छ हवा के लिए मिलने वाली राशि का उद्देश्य प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों पर शहरी कार्य योजना बनाकर काम करना है। जिसमें धूल कम करने सड़क को पक्का करना, हरियाली बढ़ाना हरित क्षेत्र बढ़ाना, प्रदूषण निगरानी और अन्य जरूरी उपाय अहम रूप से शामिल है। बावजूद इसके आवंटन के मुकाबले खर्च राशि का आंकड़ा बताता है कि योजनाओं को लागू करने की गति यहां बेहद धीमी रही है।

मध्य प्रदेश के 157 सहायक उपनिरीक्षक बने उपनिरीक्षक

- पुलिस मुख्यालय ने जारी किया पदोन्नति आदेश

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने सहायक उपनिरीक्षक एवं कार्यवाहक उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत 157 पुलिसकर्मियों को उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया है। रिव्यू विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक के बाद प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस मुख्यालय ने यह आदेश जारी किया है। आदेश में संबंधित पुलिसकर्मियों को उपनिरीक्षक (जिला पुलिस बल) के पद पर पदोन्नति देते हुए उनकी वरिष्ठता सूची के अनुसार पदस्थापना यथावत रखने के निर्देश दिए गए हैं।

20 जुलाई के आदेश के बाद हुई रिव्यू डीपीसी-पुलिस मुख्यालय के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को सहायक उपनिरीक्षक/कार्यवाहक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नति का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा रिव्यू डीपीसी आयोजित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रतिवेदन के आधार पर अब 157 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति दी गई है। इनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, छिंदवाड़ा, दतिया, शिवपुरी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदस्थ अधिकारी शामिल हैं।

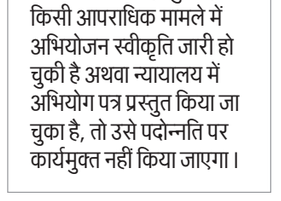

वेतनमान में भी होगा बदलाव

पदोन्नत पुलिसकर्मियों को उपनिरीक्षक पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू वेतनमान के अनुसार वेतन दिया जाएगा। आदेश में 9300-34800+3600 के वेतनमान का उल्लेख किया गया है, जिसे मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम-2017 के तहत पे मैट्रिक्स लेवल-9 में निर्धारित किया गया है।

इन कर्मचारियों के लिए विशेष निर्देश

पुलिस मुख्यालय ने पदोन्नति आदेश के साथ इकाई प्रमुखों को विशेष निर्देश भी दिए हैं। यदि सूची में शामिल कोई कर्मचारी निलंबित है, उसके खिलाफ विभागीय जांच के लिए आरोप पत्र जारी हो चुका है या किसी आपराधिक मामले में अभियोजन स्वीकृति जारी हो चुकी है अथवा न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है, तो उसे पदोन्नति पर कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)